Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

शुक्रवार | 20 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 219 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 83777.07
निफ्टी 25733.15

सर्राफा बाजार

सोना	1,26,915.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी	1,75,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

दिल्ली में 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कश्मीरी गेट आईएसबीटी से 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्ली से हापुड़ के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू को श्वष्ठ का समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू को कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में पूछताछ के लिए समन जारी किया है। जांच एजेंसी ने उन्हें 25 नवंबर को पेश होने के लिए कहा है। इस मामले में ईडी विभिन्न वित्तीय लेन-देन और संबंधित संस्थाओं को मिली रकम की जांच कर रही है।

शिकायत कहां दर्ज होगी, यह आरोपी तय नहीं कर सकताः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिक्री से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित अपनी शिकायत कहां दर्ज कराएं। शिकायत दर्ज कराने का अधिकार पीड़ितों के पास है और आरोपी इस प्रक्रिया को अपनी सुविधा के अनुसार नियंत्रित नहीं कर सकता।

पहाड़ों में बर्फबारी से मैदानी इलाकों में बढ़ी ठंड

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में भी दिखने लगा है। कई राज्यों में तापमान तेजी से गिरा है और कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है।

कुंडा की रामकथा में सियासी हलचल तेज

प्रतापगढ़। कुंडा के बेंती में बागेश्वर पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रामकथा धार्मिक आयोजन के साथ-साथ राजनीतिक चर्चाओं का भी केंद्र बन गई है।

जायसवाल-राहुल की शतकीय साझेदारी से भारत ने की दमदार वापसी, न्यूजीलैंड की बढ़त घटाई

यूथ इंडिया, वेलिंगटन



न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने दूसरे दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश की। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम अभी न्यूजीलैंड के पहली पारी के स्कोर से 209 रन पीछे है। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई 130 रन की शानदार ओपनिंग साझेदारी रही।

यशस्वी जायसवाल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 89 गेंदों पर 85 रन बनाए। उनकी पारी में कई आकर्षक शॉट देखने को मिले। हालांकि, वह 130 रन के कुल स्कोर पर मैट हेनरी की गेंद पर आउट हो गए। दूसरी ओर केएल राहुल ने संयम और धैर्य के साथ पारी को आगे बढ़ाया। वह 116 गेंदों पर 52 रन बनाकर नाबाद हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ राहुल की यह पहली अर्धशतकीय पारी है। दिन का खेल समाप्त होने तक देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम ने पहली पारी में 368 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। हेनरी निकल्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 335 गेंदों पर नाबाद 175 रन बनाए, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने 118 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों के बीच 216 रन की बड़ी साझेदारी हुई, जिसने भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक विकेट के लिए तरसाया।

जयराम रमेश का पीएम मोदी पर हमला, बोले- घबराए हुए हैं

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अब प्रधानमंत्री कांग्रेस की उन बातों को दोहरा रहे हैं, जिनकी पहले उनकी पार्टी आलोचना करती रही है। उन्होंने फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में पीएम मोदी के बयान को लेकर सवाल उठाए।

जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री अब रोजगार, वेतन और निजी निवेश जैसे मुद्दों पर वही बातें कर रहे हैं, जिनका जिक्र कांग्रेस ने अपने 'न्याय पत्र' में किया था। कांग्रेस ने पहले भी इन मुद्दों को देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की आर्थिक स्थिति से जोड़कर उठाया था।

कांग्रेस नेता के मुताबिक, कांग्रेस के न्याय पत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने, लोगों की आय में सुधार करने और निजी निवेश को प्रोत्साहन देने पर विशेष जोर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय इन प्रस्तावों की आलोचना करने वाली भाजपा अब उन्हीं मुद्दों को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल कर रही है।

जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें घबराया हुआ बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार जनता से जुड़े आर्थिक मुद्दों को उठा रही है और अब प्रधानमंत्री के बयानों में भी उन्हीं मुद्दों की झलक दिखाई दे रही है। इस बयान के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने के आसार हैं।

बोले- भारत की पुरानी तस्वीर पर न अटके रहें, बदलें अपना नजरियाः एस जयशंकर

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जापानी कंपनियों से भारत के प्रति अपनी पुरानी धारणा बदलने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचे और कारोबार के माहौल में बड़े बदलाव हुए हैं। इसलिए जापानी कंपनियों को भारत की वर्तमान आर्थिक और औद्योगिक स्थिति को नए नजरिए से देखना चाहिए।

टोक्यो दौरे के दौरान जयशंकर ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद भारत में सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास में तेजी आई है। इसके साथ ही कारोबार करने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। उन्होंने जापानी उद्योग जगत से इन बदलावों का लाभ उठाने और भारत में निवेश की संभावनाएं तलाशने की अपील की।

विदेश मंत्री ने भारत और जापान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने रक्षा, निवेश और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को और विस्तार देने की आवश्यकता बताई। उनका मानना है कि भारत और जापान मिलकर औद्योगिक विकास, तकनीकी नवाचार और आर्थिक साझेदारी के नए अवसर तैयार कर सकते हैं।

जयशंकर का यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब भारत विदेशी निवेश आकर्षित करने और वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। जापानी कंपनियों की भागीदारी से भारत में रोजगार, तकनीकी विकास और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा मिल सकता है। टोक्यो दौरे के दौरान हुई चर्चाओं को भारत-जापान संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली में 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत, सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी; दिल्ली-हापुड़ सेवा भी शुरू

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कश्मीरी गेट आईएसबीटी से 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्ली से हापुड़ के बीच अंतरराज्यीय बस सेवा का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के पास देश का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक बस बेड़ा है। सरकार दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नई बसों के संचालन से राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है।

सरकार के मुताबिक, 100 नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को सुविधाजनक सफर मिलेगा और वायु प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। वहीं, दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू होने से दोनों शहरों के बीच आवागमन करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त परिवहन सुविधा मिलेगी।

सीसीटीवी फुटेज ने किया झूठ का भंडाफोड़, कार्यकर्ता जुल्म से न डरें: अखिलेश

यूथ इंडिया, लखनऊ



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रोड शो के दौरान बच्चे की मौत के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना को लेकर सरकार की ओर से सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है, जबकि सीसीटीवी फुटेज से पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद झूठ की पोल खुल गई है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अब पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस मामले में सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

सपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जुल्म और नाइंसाफी से डरें नहीं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है और किसी भी तरह के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सच और न्याय के लिए संघर्ष करना जरूरी है।

अखिलेश यादव के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सत्तारूढ़ भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच जुबानी जंग तेज होने के आसार हैं। रोड शो के दौरान बच्चे की मौत का मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। हालांकि, घटना से जुड़े सभी आरोपों और दावों की पुष्टि जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही हो सकेगी।

कांग्रेस सत्ता में होती तो ट्रंप, जिनपिंग और पुतिन की बैठक में शामिल होते भारत के पीएमः राहुल गांधी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका, चीन और रूस के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि अगर देश में कांग्रेस की सरकार होती, तो भारत के प्रधानमंत्री भी इस मेज पर बैठे होते। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बैठक का जिक्र करते हुए भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए संकेत दिया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में भारत को ऐसी महत्वपूर्ण वैश्विक बैठकों में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पा रहा है।

कांग्रेस नेता के इस बयान को केंद्र सरकार की विदेश नीति पर राजनीतिक हमला माना जा रहा है। राहुल गांधी लगातार अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को लेकर सरकार को घेरते रहे हैं। इस बार उन्होंने तीन बड़ी वैश्विक शक्तियों के नेताओं की बैठक की तस्वीर के माध्यम से अपनी बात रखी।

राहुल गांधी के बयान से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज होने की संभावना है। हालांकि, किसी देश की ऐसी बैठकों में भागीदारी का निर्णय संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक और रणनीतिक परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

बाबा बागेश्वर की कथा रोकने वालों को देश-प्रदेश ने दिया मुंहतोड़ जवाबः राजा भैया

प्रतापगढ़। जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने रामकथा के अंतिम दिन लोगों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजनीति में सबसे आसान काम लोगों को बांटना है, जबकि उन्हें एकजुट करना सबसे कठिन काम है। समाज को आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर एकता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। राजा भैया ने कहा कि आज भी कई राजनीतिक दल फूट डालो और शासन करो की नीति पर काम कर रहे हैं। जाति और वर्ग के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश की जाती है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर विवाद, सुप्रीम कोर्ट का अलग सुनवाई से इनकार, पांच जजों की संविधान पीठ करेगी विचार

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे विवाद पर अहम घटनाक्रम सामने आया है। शीर्ष अदालत ने इस कानून पर दिए गए बंटे हुए फैसले को वापस लेने की मांग पर अलग से सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले पर पहले से गठित पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ विचार कर सकती है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस मुद्दे पर अलग से सुनवाई की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मामला पहले ही पांच जजों की संविधान पीठ के समक्ष विचाराधीन है। ऐसे में कानून की संवैधानिक वैधता और उससे जुड़े सवालों पर वही पीठ विचार करेगी।

दरअसल, विवाद वर्ष 2023 में बनाए गए उस कानून को लेकर है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति गठित की गई है। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री शामिल होते हैं। इस व्यवस्था में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को चयन पैनल से बाहर रखा गया है।

याचिकाकर्ताओं ने चयन समिति से सीजेआई को बाहर रखने के प्रावधान पर सवाल उठाते हुए इसे चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के लिए चिंताजनक बताया है। वहीं, इस कानून की संवैधानिक वैधता को लेकर न्यायिक विचार-विमर्श जारी है।

ईडी लाई ही नहीं थी वारंट, अब अंगूठे के निशान पर होगी कानूनी लड़ाईः आजम खां

यूथ इंडिया, रामपुर



जेल से रिहाई के बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां गुरुवार को मीडिया के सामने आए। इस दौरान उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वारंट और दस्तावेजों पर सवाल उठाए। आजम खां ने दावा किया कि ईडी की ओर से वारंट लाया ही नहीं गया था। उन्होंने कहा कि अब इस पूरे मामले में अंगूठे के निशान को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

आजम खां ने मीडिया से बातचीत के दौरान कानूनी प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने अंगूठे के निशान से जुड़े मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि इसकी सच्चाई अदालत में सामने लाई जाएगी। उनके इस बयान से साफ है कि वह इस मामले को लेकर आगे कानूनी लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं।

इस दौरान आजम खां भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में बहुत दुख सहे हैं और उनके साथ काफी जुल्म हुए हैं। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मामलों और कानूनी कार्रवाई को लेकर भी अपनी पीड़ा जाहिर की। रिहाई के बाद उनकी पहली मीडिया बातचीत में उनके बयान चर्चा का विषय बन गए।

आजम खां के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज होने की संभावना है। ईडी के वारंट और अंगूठे के निशान को लेकर लगाए गए उनके आरोपों पर अब संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

चिराग पासवान ने जीजा अरुण भारती को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, 403 सीटों पर तैयारी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने संगठन विस्तार की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने जमुई से सांसद अरुण भारती को यूपी में संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी है। 18 नवंबर को लखनऊ में पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान इसकी घोषणा की गई। अरुण भारती लखनऊ में बैठकर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर पार्टी की तैयारियों की निगरानी करेंगे।

अरुण भारती चिराग पासवान के जीजा और उनकी बहन निशा भारती के पति हैं। उन्हें प्रदेश में नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, जिला और विधानसभा स्तर पर संगठन मजबूत करने तथा संभावित उम्मीदवारों की जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा उन्हें स्थानीय नेताओं और राजनीतिक समीकरणों का आकलन भी करना होगा। पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में यूपी में संगठन का विस्तार होगा।

चिराग पासवान यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की बात कह चुके हैं। हालांकि, पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला नहीं किया है। चिराग ने संकेत दिया है कि गठबंधन को लेकर निर्णय चुनाव के करीब लिया जाएगा। पार्टी की नजर खासतौर पर पासी, पासवान और अन्य दलित समुदायों के साथ अति पिछड़े वर्ग और युवाओं पर है। अवध और पूर्वांचल में संगठन विस्तार को प्राथमिकता दी जा सकती है।

अरुण भारती के सामने सबसे बड़ी चुनौती यूपी में पार्टी का राजनीतिक आधार मजबूत करना और चुनाव के लिए मजबूत उम्मीदवार तलाशना होगा। टिकट चयन में उनकी सिफारिशों की अहम भूमिका हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला चिराग पासवान और पार्टी नेतृत्व ही करेगा। उत्तर प्रदेश में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का चुनावी प्रदर्शन अब तक खास प्रभावशाली नहीं रहा है। ऐसे में 2027 का विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए अपनी राजनीतिक ताकत साबित करने का बड़ा मौका होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मातृशोक, 91 वर्ष की उम्र में मां सावित्री देवी का निधन, पैतृक गांव पंचूर में ली अंतिम सांस

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार से शुक्रवार को बेहद दुखद खबर सामने आई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का 20 नवंबर 2026 को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर क्षेत्र स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सावित्री देवी का निधन शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। उनके निधन की पुष्टि पौड़ी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश कुमार की ओर से की गई। उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह अस्वस्थ चल रही थीं और पंचूर स्थित अपने पैतृक आवास पर ही रह रही थीं।

गोरखपुर में कार्यक्रम के दौरान मिली मां के निधन की सूचना

बताया जा रहा है कि जिस समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी मां के निधन की सूचना मिली, उस समय वह गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मौजूद थे। मुख्यमंत्री वहां युवाओं को टैबलेट वितरित करने के कार्यक्रम में शामिल थे। मां के निधन की खबर उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बेहद दुखद है। हालांकि, मुख्यमंत्री की ओर से इस घटना को लेकर विस्तृत आधिकारिक बयान और आगे के कार्यक्रम की जानकारी का इंतजार है।

पंचूर गांव से जुड़ी रही मुख्यमंत्री की पारिवारिक जड़ें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पैतृक गांव पंचूर उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित है। उनका बचपन इसी क्षेत्र में बीता। उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट वन विभाग में कार्यरत थे। अप्रैल 2020 में उनके पिता का भी निधन हो गया था। अब करीब छह वर्ष बाद मां सावित्री देवी के निधन से मुख्यमंत्री ने अपने परिवार की एक और महत्वपूर्ण सदस्य को खो दिया है।

योगी आदित्यनाथ का अपनी मां से भावनात्मक जुड़ाव रहा है। सार्वजनिक जीवन और मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारियों के बीच भी मां का आशीर्वाद उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपनी मां से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था। वर्ष 2024 में भी वह ऋषिकेश एम्स में भर्ती अपनी मां का हालचाल लेने पहुंचे थे।

राजनीतिक जगत में शोक की लहर

मुख्यमंत्री की मां के निधन की खबर सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक जगत में शोक का माहौल है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और गोरखपुर के सांसद रवि किशन सहित कई नेताओं ने सावित्री देवी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

नेताओं ने अपनी शोक संवेदनाओं में कहा कि मां का स्नेह, ममता और आशीर्वाद जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है। उनका जाना परिवार के लिए ऐसी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित पूरे परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

91 वर्ष की उम्र में सावित्री देवी के निधन से पंचूर गांव सहित मुख्यमंत्री के शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन की एक अत्यंत दुखद व्यक्तिगत क्षति है।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 150 लोगों की समस्याएं, इलाज के लिए आर्थिक मदद का दिया भरोसा

यूथ इंडिया, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने लोगों के प्रार्थना पत्र खुद अपने हाथों में लेकर उनकी शिकायतें पढ़ीं और संबंधित मामलों का संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।



जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार उपचार में पूरी मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए, ताकि बीमारी की स्थिति में उसे बेहतर इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनने के बाद भी जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम योगी ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद तरीके से करने के निर्देश दिए। जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विधि-सम्मत कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे चिंता न करें, सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है।

जनता दर्शन से पहले मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा भी की। उन्होंने गोवंश को अपने हाथों से रोटी और गुड़ खिलाया। इस दौरान भोलू नाम के बछड़े और छुटकी नाम की बछिया को आवाज देकर अपने पास बुलाया और दुलार किया। गोवंश को अपने करीब आते देख मुख्यमंत्री ने प्यार से कहा, अपनी जगह पर ही रहो, नहीं तो चोट लग जाएगी।

बेटी पैदा होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला, नवजात बच्ची को ससुराल वालों ने रखा अपने पास

एटा। अलीगंज में बेटी को जन्म देने के बाद एक विवाहिता को कथित तौर पर ससुराल में प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। पीड़िता रंगोली निवासी पलिया ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की और नवजात बच्ची को उससे छीनकर अपने पास रख लिया। महिला ने पुलिस से शिकायत कर बच्ची को सुरक्षित वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। रंगोली के मुताबिक, उसने 4 जनवरी 2026 को दाऊदगंज निवासी सुमित के साथ न्यायालय में प्रेम विवाह किया था। आरोप है कि 5 अक्टूबर को दाऊदगंज स्थित एक अस्पताल में ऑपरेशन से उसने बेटी को जन्म दिया। प्रसव के करीब आठ दिन बाद ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद उसने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी और अपनी नानी के घर चली गई। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग बेटी पैदा होने से नाराज थे। उन्होंने उसकी नवजात बच्ची को अपने पास रख लिया। इसके अलावा उसके सोने के जेवर, नकदी और अन्य सामान भी घर पर ही रख लिए गए। रंगोली ने बच्ची की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए उसे वापस दिलाने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है। सीओ अलीगंज राजेश सिंह ने बताया कि महिला की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। मामले में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

यूथ इंडिया, अंबेडकरनगर



जैतपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक अशोक मौर्य (53) की पीजीआई ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। 18 नवंबर को तिरिया बाजार के आगे आश्रम के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उनके ई-रिक्शा में टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया था। अशोक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 19 नवंबर की सुबह करीब 5 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया।

रेहता खुर्द निवासी अभिषेक मौर्य के अनुसार, उनके पिता अशोक मौर्य 18 नवंबर की शाम करीब 4:30 बजे ई-रिक्शा लेकर रामगढ़-फुलवरिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आए वाहन संख्या 62 एएच 9575 के चालक ने लापरवाही से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में अशोक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से उन्हें 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर, जलालपुर पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें पीजीआई ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

अशोक मौर्य की मौत की खबर मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने रामगढ़-जालालपुर मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। अशोक ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी पत्नी पुनीता का चार साल पहले निधन हो चुका था। परिवार में 19 वर्षीय अभिषेक, 16 वर्षीय आनंद, 13 वर्षीय अभिनव, आठ वर्षीय बेटी प्रियांशी और 90 वर्षीय दादी कुटरा देवी हैं। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

हादसे के बाद फरार वाहन चालक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्राधिकारी अनूप सिंह के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, परिवार के कमाने वाले सदस्य की मौत से बच्चों और बुजुर्ग दादी के सामने जीवनयापन की चुनौती खड़ी हो गई है।

त्योहार के बाद यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने चलाईं विशेष ट्रेनें

लखनऊ। त्योहार के बाद घर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। आगरा के ईदगाह स्टेशन पर एक वन-वे विशेष ट्रेन रुकेगी, जबकि टूंडला स्टेशन पर दोनों दिशाओं की अनारक्षित विशेष ट्रेनों का ठहराव होगा। इन ट्रेनों से यात्रियों को गोरखपुर, दिल्ली, बिहार और झारखंड की ओर जाने की सुविधा मिलेगी। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि गाड़ी संख्या 09135 उतरान-गोरखपुर विशेष ट्रेन बृहस्पतिवार को संचालित होगी। यह ट्रेन 20 नवंबर को सुबह 9:10 बजे ईदगाह स्टेशन पहुंचेगी।

धूप से मिली राहत, लेकिन हवा हुई खराब, एक्यूआई बढ़कर 168 पहुंचा

यूथ इंडिया, लखनऊ



शुक्रवार सुबह हल्की धुंध के बाद मौसम साफ हो गया। दिन में तेज धूप खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार, आज शहर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। गुरुवार को भी अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम साफ होने के बावजूद शहर की हवा की गुणवत्ता में गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार सुबह छह मॉनिटरिंग स्टेशनों का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 168 रहा। जबकि गुरुवार शाम पांच बजे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार औसतएक्यूआई 154 दर्ज किया गया था। इस तरह एक दिन में एक्यूआई में 14 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

शहर के ज्यादातर इलाके यलो जोन में दर्ज किए गए। केंद्रीय विद्यालय अलीगंज मेंएक्यूआई 217 रहा, जो ऑरेंज जोन में आता है। यहां शहर की हवा सबसे ज्यादा प्रदूषित दर्ज की गई। बढ़तेएक्यूआई के कारण इस इलाके में वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ गई है।

वहीं, कुकरैल पिकनिक स्पॉट-1 में एक्यूआई 80 दर्ज किया गया, जो ग्रीन जोन में है। यहां शहर की सबसे साफ हवा रही। एक ओर जहां धूप निकलने से लोगों को मौसम में राहत मिली, वहीं दूसरी ओर हवा की गुणवत्ता में गिरावट ने प्रदूषण की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

प्राथमिक विद्यालय थाल खुर्द के बन रहे नवीन भवन की गुणवत्ता पर उठे सवाल

- बी ई ओ सहित सहायक अभियंता से हुई शिकायत,ग्रामीणों में घटिया निर्माण को लेकर रोष

यूथ इंडिया, रामनगर



ब्लॉक रामनगर के प्राथमिक विद्यालय थाल खुर्द में बन रहे नवीन भवन के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल की शिकायतें सामने आई हैं। भवन में पीली ईंटों का प्रयोग किए जाने के साथ ही मसाले की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। निर्माण कार्य में लगे एक मजदूर का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह सात-एक का मसाला लगाए जाने की बात कह रहा है।

विद्यालय के अतिरिक्त कक्षों में शिक्षण कार्य चल रहा है। इसी परिसर में करीब 15 लाख 68हजार रुपये की लागत से दो कमरे, एक बरामदा और एक प्रधानाध्यापक कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण की जिम्मेदारी इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने एक व्यक्ति को ठेके पर दे रखी है जिसके द्वारा मानकों की अनदेखी कर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।

निर्माण में पीली ईंटें लगाई जा रही हैं और मौरंग, सीमेंट व बालू के मसाले का अनुपात भी ठीक नहीं है।भवन की नींव भी मानक के अनुरूप नहीं बनाई गई है। नींव की गहराई कम रखने के साथ ही तल में गिट्टी डालने के बजाय बालू और नाम मात्र पीली ईंटों के टुकड़े डालकर निर्माण कराया गया है। इससे भवन की मजबूती को लेकर आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान प्रशासक सुनील कुमार यादव भी निर्माण की गुणवत्ता को लेकर शिकायत कर चुके हैं और मौके पर जाकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुधारने को भी कहे फिर भी मानक अनुसार काम नहीं हो रहा है। इस संबंध में विगागीय सहायक अभियंता विश्वजीत राय ने बताया कि मौके पर जांच कराई जाएगी। भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो यह सुनिश्चित किया जाएगा।

लैन व विछलखा समितियों पर धान खरीद की रफ्तार सुस्त, दोनों ने छ सौ कुंतल ही धान खरीदा

यूथ इंडिया, रामनगर



तहसील क्षेत्र की साधन सहकारी समिति बिछलखा और लैन पर धान खरीद की रफ्तार सुस्त बनी हुई है।खरीद की धीमी गति से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि अभी तक दोनों समितियों को मिलाकर एक हज़ार कुंतल धान नहीं खरीदा जा सका है।

विछलखा में दो सौ तो लैन में चार सौ कुंतल धान ही खरीदा जा सका है।दूसरी ओर सेमराय क्रय केंद्र पर खरीद अपेक्षाकृत तेजी से हो रही है जहां तीन हजार कुंतल से ज्यादा धान खरीद गया है। किसान नेता शिव बरन वर्मा, नरेंद्र सिंह का कहना है कि जिन समितियों और केंद्रों पर धान खरीद काफी सुस्त हो रही वंहा खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और एक जिम्मेदार अफसर बैठाया जाए जिससे किसानों को धान बेचने के लिए लंबे समय तक दौड़ना व परेशान न होना पड़े और उनको वाजिब मूल्य मिल सके।इसके लिए लगातार सभी केंद्रों की निगरानी भी की जाए।

छह महीने से बंद है राशन कार्ड बनाने की साइट, काटे जा रहे पुराने कार्ड

- सैकड़ों पात्र परिवार राशन कार्ड के लिए भटकने को मजबूर, पूर्ति विभाग से मिल रहा साइट बंद होने का जवाब

यूथ इंडिया, रामनगर

नगर क्षेत्र में पिछले छह महीने से नए राशन कार्ड बनाने की साइट बंद होने से सैकड़ों पात्र परिवार सरकारी राशन योजना के लाभ से वंचित हैं। सरकार एक ओर जरूरतमंद और पात्र लोगों के राशन कार्ड बनाने की बात कहती है, वहीं दूसरी ओर नए कार्ड बनाने की प्रक्रिया ठप पड़ी है। पात्र लोग ऑनलाइन आवेदन कराकर पूर्ति विभाग में जमा कर चुके हैं, लेकिन वहां से उन्हें साइट बंद होने का हवाला देकर लौटा दिया जाता है।

हैरानी की बात यह है कि नए राशन कार्ड बनाने की साइट बंद है, लेकिन पुराने राशन कार्ड काटने की प्रक्रिया लगातार जारी है। तीन महीने तक राशन न लेने वाले कार्डधारकों के कार्ड ऑनलाइन काटे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब राशन कार्ड काटने की ऑनलाइन व्यवस्था चल रही है तो नए कार्ड बनाने की सुविधा क्यों बंद है?

सार्वजनिक रास्ते पर गेट लगाने की तैयारी पर नगर निगम ने लगाई रोक

आगरा। शाहगंज स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में सार्वजनिक रास्ते पर पिलर खड़े कर गेट लगाने की तैयारी को नगर निगम ने बृहस्पतिवार को रुकवा दिया। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण पर लाल निशान लगाए और संबंधित पक्ष को तीन दिन में अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी। आरोप है कि कॉलोनी के मकान संख्या 31-ए एमआईजी के सामने सार्वजनिक मार्ग पर तीन पिलर खड़े कर दिए गए थे। यहां गेट लगाकर रास्ता बंद करने की तैयारी थी, जिससे स्थानीय निवासियों का आवागमन प्रभावित होने की आशंका थी। कॉलोनी अध्यक्ष सुधीर टंडन और क्षेत्रीय लोगों ने इस मामले की शिकायत नगर निगम प्रशासन से की। शिकायत के बाद अवर अभियंता मुकेश कुमार के नेतृत्व में निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अतिक्रमण को चिह्नित किया।

सड़क हादसे में वकील की 20 वर्षीय बेटी की मौत, चार लोग घायल

यूथ इंडिया, लखनऊ



गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में वकील राजेश सिंह की 20 वर्षीय बेटी समीक्षा की मौत हो गई। वह अपनी मां गीता और तीन पड़ोसियों के साथ मोहनलालगंज स्थित शिवगढ़ रिसॉर्ट में शादी समारोह में शामिल होने गई थी। देर रात घर लौटते समय हरिकंशगढ़ी के पास उनकी कार आगे चल रहे डंपर से टकरा गई।

हादसे के दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने भी कार को टक्कर मार दी। दोनों भारी वाहनों के बीच फंसने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांचों लोग अंदर फंस गए। राहगीरों ने काफी प्रयास के बाद चार लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

कार के पिछले हिस्से में फंसी समीक्षा को निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। गंभीर हालत में उसे ट्रॉमा सेंटर-2 ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल मां गीता, शिखर, उनकी पत्नी सुकृति और मां आशा का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

समीक्षा मुंबई में जियो कंपनी में काम करती थी। उसने हैदराबाद से एमबीए की पढ़ाई पूरी की थी और दिवाली की छुट्टियों में घर आई थी। उसके पिता राजेश सिंह लखनऊ में वकालत करते हैं। इस हादसे से परिवार और आसपास के इलाके में शोक का माहौल है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले दुल्हन की तरह सजा लखनऊ, शहीद पथ पर की गई आकर्षक लाइटिंग

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को लखनऊ दौरे पर आएंगे। वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर राजधानी में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। शहर की प्रमुख सड़कों और चौराहों को सजाया गया है। लखनऊ को आकर्षक रूप देने के लिए विशेष सजावट की गई है।

प्रधानमंत्री के आगमन से पहले शहीद पथ पर शानदार लाइटिंग की गई है। रात के समय सड़क रोशनी से जगमगाती नजर आ रही है। इसके अलावा शहर के प्रमुख मार्गों पर भी सजावट की गई है। कई स्थानों पर विशेष लाइटें लगाई गई हैं, जिससे राजधानी की सुंदरता बढ़ गई है।

शहर की सड़कों के किनारे हजारों की संख्या में फूलों और सजावटी पौधों के गमले लगाए गए हैं। प्रमुख मार्गों, चौराहों और कार्यक्रम स्थल के आसपास साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का काम कराया गया है। प्रधानमंत्री के काफिले के गुजरने वाले रास्तों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभाग तैयारियों में जुटे हैं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह के लिए भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सुरक्षा, यातायात और आयोजन स्थल की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 21 नवंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए राजधानी में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

सुदामा का निष्काम प्रेम और समर्पण प्रत्येक जीव के लिए परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग है: शिवाकान्त जी महाराज

- सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष की कथा ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर, सात दिवसीय कथा के विश्राम पर भावुक हुआ पूरा पंडाल

यूथ इंडिया, कानपुर नगर



नौबस्ता के पहाड़पुर स्थित श्रीनगर में आयोजित सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत महापुराण की पावन कथा एवं इच्छापूर्ति महायज्ञ के विश्राम दिवस पर अंतरराष्ट्रीय कथावाचक परम पूज्य पंडित शिवाकान्त जी महाराज ने सुदामा चरित्र एवं राजा परीक्षित मोक्ष की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अनूठी मित्रता का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भक्तिरस में डूब गए।

सुदामा चरित्र की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए महाराज जी ने कहा कि सुदामा जीव के प्रतीक हैं और उनकी धर्मपत्नी सुशीला बुद्धि की प्रतीक हैं। बुद्धि रूपी सुशीला से प्रेरित होकर जब जीव परमात्मा की शरणागति स्वीकार करता है, तब उसके जीवन की समस्त कमियां दूर हो जाती हैं और उसे परम गति की प्राप्ति होती है। सुदामा जी अत्यंत निर्धन होने के बावजूद अपनी निष्ठा, संतोष और ब्राह्मण धर्म के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने कभी अपनी परिस्थितियों को भगवान के प्रति प्रेम और विश्वास के बीच नहीं आने दिया।

महाराज जी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता संसार के लिए प्रेम, समानता और निष्काम समर्पण का अनुपम उदाहरण है। भगवान के दरबार में धन, वैभव और पद-प्रतिष्ठा का कोई महत्व नहीं होता, वहां केवल भक्त के हृदय का प्रेम और श्रद्धा देखी जाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा के चरण पखारकर यह संदेश दिया कि परमात्मा अपने भक्त के प्रेम के आगे स्वयं को भी समर्पित कर देते हैं। सुदामा ने भगवान से कुछ नहीं मांगा, लेकिन भगवान ने बिना मांगे ही उनके जीवन की दरिद्रता दूर कर दी। यही सच्ची भक्ति और भगवान की भक्तवत्सलता है।

परीक्षित मोक्ष का प्रसंग सुनाते हुए महाराज जी ने कहा कि राजा परीक्षित ने अपने जीवन के अंतिम सात दिनों में श्रीमद्भागवत महापुराण का श्रवण करके परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया। भागवत कथा मनुष्य को जीवन की नश्वरता का बोध कराती है और उसे भक्ति, सदाचार एवं मोक्ष के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मनुष्य को अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भगवान के स्मरण और सत्कर्मों में लगाना चाहिए।

कथा के विश्राम दिवस पर भक्ति संगीत और सुमधुर भजनों ने वातावरण को अत्यंत भावुक बना दिया। विशेष रूप से महाराज जी के भावपूर्ण भजन मिलन सात दिन का हमारा-तुम्हारा, रही जिंदगी तो मिलेंगे दोबारा... ने श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया। सात दिनों तक कथा के माध्यम से बने आत्मीय संबंधों और आध्यात्मिक जुड़ाव की अनुभूति से पूरा पंडाल भावविभोर हो उठा। भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। वहीं विवाह एवं विदाई की भावपूर्ण झांकी के दौरान अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कथा के विश्राम का यह क्षण उपस्थित भक्तों के लिए अविस्मरणीय बन गया।

इस अवसर पर महाराज जी ने कहा कि जिस क्षेत्र में श्रीमद्भागवत कथा एवं यज्ञ का आयोजन होता है, वह क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो जाता है। वहां का वातावरण पवित्रता, सकारात्मकता और धर्ममय चेतना से भर जाता है। आप सभी बड़े सौभाग्यशाली हैं कि आपको भागवत कथा के श्रवण के साथ-साथ इच्छापूर्ति महायज्ञ में आहुति अर्पित करने का भी पुण्य अवसर प्राप्त हुआ है। ऐसे आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव, सेवा, परोपकार और सनातन संस्कृति के प्रति आस्था को सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य यजमान पूनम मिश्रा एवं देवम मिश्रा परिवार सहित विनीत द्विवेदी, विकास तिवारी तथा अन्य गणमान्य अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन किया और इच्छापूर्ति महायज्ञ में आहुतियां अर्पित कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। कथा में अनेक विशिष्ट महानुभावों, अधिकारियों एवं दूर-दराज से पधारे श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम के उपरांत कल इच्छापूर्ति महायज्ञ की विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति संपन्न होगी। इसके साथ ही विशाल भंडारे एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 132 जोड़ों का विवाह संपन्न, विधायक सुरेश पासी ने दिया नवदंपतियों को आशीर्वाद

यूथ इंडिया, अमेठी



उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत बुधवार, 18 नवंबर 2026 को जगदीशपुर स्थित लोक निर्माण विभाग के अतिथिगृह में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 132 जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं के अनुसार विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इनमें 117 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से तथा 15 जोड़ों का मुस्लिम रीति-रिवाज से निकाह संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जगदीशपुर सुरेश पासी ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने नवदंपतियों को विवाह प्रमाण पत्र भी वितरित किए। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है।

योजना के माध्यम से सरकार बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी में परिवारों के साथ सहभागी बन रही है और उन्हें आर्थिक संबल उपलब्ध करा रही है। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीशपुर राजेश विक्रम सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता रामहेत, उपमा सरोज सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र जोड़े के विवाह पर कुल एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है।

इसमें गृहस्थी की स्थापना के लिए 64 हजार रुपये की धनराशि कन्या के बैंक खाते में सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। इसके अतिरिक्त 21 हजार रुपये की उपहार सामग्री प्रदान की जाती है तथा 15 हजार रुपये समारोह के आयोजन पर व्यय किए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना तथा विवाह के कारण परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना है। योजना के माध्यम से विभिन्न समुदायों के पात्र जोड़ों को उनकी धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं के अनुरूप विवाह का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में भिड़े बांग्लादेशी : शेख हसीना समर्थकों और एनसीपी कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, कई गंभीर घायल

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों की लड़ाई अब देश की सरहदों को भी पार कर गई है। दरअसल सोमवार को बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना और एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम के समर्थकों में लंदन में हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं और चार घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाहिद इस्लाम इन दिनों लंदन के दौरे पर हैं, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में पार्टी समर्थकों को संबोधित करेंगे। सोमवार शाम को लंदन के मेफेयर वेन्यू में भी नाहिद इस्लाम की पार्टी का कार्यक्रम था। एनसीपी ने फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में बताया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के समर्थक भी वेन्यू के बाहर इकट्ठा हो गए और एनसीपी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। एनसीपी का आरोप है कि अवामी लीग के समर्थकों ने एनसीपी समर्थकों पर हमला किया, जिसके बाद दोनों तरफ से हिंसक झड़प शुरू हो गई।

घंटों टीवी देखते हैं तो सावधान! किडनी को पहुंच सकता बड़ा नुकसान, डायबिटीज मरीजों के लिए खतरा ज्यादा

लंदन, एजेंसी। खाली समय में टीवी देखना भले ही मनोरंजन का आसान तरीका हो, लेकिन घंटों तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने की आदत आपकी किडनी की सेहत पर भारी पड़ सकती है। क्योंकि लंबे समय तक टीवी देखने की आदत सिर्फ आंखों और वजन पर ही असर नहीं डालती, बल्कि इसका संबंध किडनी की सेहत से भी हो सकता है। मेडिकल जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग रोजाना अधिक समय टीवी देखने में बिताते हैं, उनमें किडनी की कार्यक्षमता तेजी से घटने का जोखिम अधिक हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्रिटेन समेत कई देशों के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की सेहत के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। करीब 12 वर्षों तक प्रतिभागियों की किडनी की कार्यक्षमता में होने वाले बदलावों पर नजर रखी गई। इसमें अधिक समय तक टीवी देखने वाले लोगों में किडनी की कार्यक्षमता में गिरावट का संबंध सामने आया। अध्ययन में सबसे अहम बात यह सामने आई कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में लंबे समय तक टीवी देखने और किडनी की कार्यक्षमता घटने के बीच संबंध अधिक मजबूत पाया गया। दरअसल, डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर बढ़ा रहने से किडनी की छोटी रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। इससे किडनी की खून को छानने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने की क्षमता धीरे-धीरे प्रभावित होने लगती है। ऐसे में डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचना बेहद जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक, लंबे समय तक टीवी देखने का मतलब अक्सर लगातार बैठे रहना है। शारीरिक गतिविधि कम होने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

देश में विमानों की भारी कमी, 1000 और नए विमान खरीदने की तैयारी में भारत : पीयूष गोयल

काहिरा , एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत में नागरिक विमानों की भारी कमी है और हवाई यातायात की मांग पूरी करने के लिए 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने की तैयारी है। गोयल ने यह भी कहा कि विमानों की जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें हवाई संपर्क बढ़ाने की जरूरत है। जैसे-जैसे हमें और विमान मिलेंगे, हमें विश्वास है कि हम मिस्र के लिए और अधिक उड़ानें शुरू कर सकेंगे। गोयल भारत और मिस्र के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। फिलहाल इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानों का संचालन करती है। गोयल के मुताबिक, भारत फिलहाल विमानों की भारी कमी का सामना कर रहा है। गोयल ने कहा, हम 1,200 से अधिक विमानों का ऑर्डर दे चुके हैं और 1,000 और विमानों का ऑर्डर देने को तैयार हैं। हमारी जरूरतें पूरी करने के लिए हमें 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है। इसलिए हम जल्द आपूर्ति के लिए स्थापित विमान निर्माताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस बीच, गोयल ने सोमवार को मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की।

विटामिन बी12 में बड़ी ताकत... लाइलाज बीमारी से मिल सकती राहत

लंदन, एजेंसी। अक्सर थकान या कमजोरी दूर करने के लिए लिया जाने वाला साधारण सा विटामिन बी12 अब एक बेहद गंभीर और दुर्लभ बीमारी के इलाज में उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। वैज्ञानिकों की एक ताजा रिसर्च में सामने आया है कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम जैसी लाइलाज मानी जाने वाली आनुवंशिक बीमारी से होने वाली शारीरिक कमियों को काफी हद तक ठीक कर सकता है।

साइंसडेली वेबसाइट पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वैज्ञानिकों ने पाया है कि विटामिन बी12 ने वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले कृमियों में विकासात्मक असामान्यताओं को काफी हद तक ठीक कर दिया है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ विकार है जो विकास संबंधी समस्याओं और विकास में देरी का कारण बनता है। मानव रोगियों में भी इसी तरह के चयापचय परिवर्तन देखे गए, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि यह सामान्य विटामिन दुर्लभ आनुवंशिक रोगों के लिए नए उपचारों को प्रेरित कर सकता है।

विटामिन बी12 से जुड़ी एक आश्चर्यजनक खोज दुर्लभ आनुवंशिक विकारों को समझने और संभावित रूप से उनका इलाज करने के लिए नए रास्ते खोल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह विटामिन वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़े आनुवंशिक उत्परिवर्तन वाले छोटे



कृमियों में विकासात्मक समस्याओं को ठीक कर सकता है। वेरहेइज सिंड्रोम एक दुर्लभ मानव स्थिति है जो विकास में देरी, बाधित वृद्धि और बौनेपन का कारण बनती है। वेबसाइट के अनुसार, ये निष्कर्ष आरएनए स्प्लिसिंग नामक एक कोशिकीय प्रक्रिया पर केंद्रित हैं, जो कोशिकाओं द्वारा प्रोटीन उत्पादन के लिए उपयोग किए जाने वाले आनुवंशिक निर्देशों को तैयार करने में मदद करती है। स्प्लिसिंग के दौरान, मैसेंजर आरएनए के अनावश्यक हिस्सों को हटा दिया जाता है, और शेष भागों को सही क्रम में एक साथ जोड़ा जाता है। जब यह प्रक्रिया गलत हो जाती है, तो यह आवश्यक कोशिकीय कार्यों को बाधित कर सकती है और गंभीर विकासात्मक विकारों में योगदान कर सकती है। स्प्लिसिंग के लिए जिम्मेदार जीनों में उत्परिवर्तन से वेरहेइज सिंड्रोम जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इन आनुवंशिक परिवर्तनों के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला मॉडल में यह अध्ययन किया कि एक संबंधित उत्परिवर्तन वृद्धि और चयापचय को कैसे प्रभावित करता है। विटामिन बी12 कृमियों में विकासात्मक दोषों को उलट देता है यह खोज सी. एलिगेंस नामक एक छोटे गोलकृमि पर किए गए प्रयोगों से सामने आई, जिसका उपयोग आमतौर पर जैविक अनुसंधान में किया जाता है। शोधकर्ता शुरू में जीवनकाल को प्रभावित करने वाले अज्ञात जीनों की खोज कर रहे थे, जब उन्होंने आरएनए स्प्लिसिंग में शामिल एक जीन में उत्परिवर्तन की जांच शुरू की। यही जीन मनुष्यों में वेरहेइज सिंड्रोम से जुड़ा है। उत्परिवर्तन वाले कृमियों में मानव विकार के महत्वपूर्ण लक्षणों से मिलती-जुलती समस्याएं विकसित हुईं। उनकी वृद्धि काफी धीमी हो गई और वे सामान्य से छोटे रह गए। यह पता लगाने के लिए कि ऐसा क्यों हुआ, वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक जांच की और कृमियों के चयापचय का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि उत्परिवर्तन ने विशिष्ट चयापचय मार्गों को बाधित कर दिया जो विटामिन बी12 पर निर्भर करते हैं और स्वस्थ विकास और सामान्य कोशिकीय गतिविधि के लिए आवश्यक हैं। इसके बाद शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि क्या अतिरिक्त विटामिन बी12 प्रदान करने से इन परिवर्तनों को प्रतिकारा जा सकता है। वेबसाइट के अनुसार, इस इलाज से प्रभावित मेटाबॉलिक प्रक्रियाएं सामान्य हो गईं और म्यूटेशन से जुड़ी विकासात्मक असामान्यताएं भी ठीक हो गईं। इस अध्ययन के पहले लेखक जोनाथन कोल्शबैक कहते हैं, हमें यह देखकर हैरानी हुई कि आरएनए प्रोसेसिंग की एक बुनियादी प्रक्रिया में बदलाव का, विटामिन बी12 पर निर्भर मेटाबॉलिज्म पर इतना सटीक असर पड़ा। वेबसाइट के अनुसार, जोनाथन कोल्शबैक ने आगे कहा, सबसे रोमांचक बात यह थी कि हम विटामिन बी12 का इस्तेमाल करके, वर्म मॉडल (कीड़ों के मॉडल) में इस बदलाव के नतीजों को काफी हद तक ठीक करने में कामयाब रहे। यह जानने के लिए कि क्या उनके निष्कर्ष इंसानों पर भी लागू हो सकते हैं, शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं से जुड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट की जांच की। उन्होंने कोलोन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के न्यूरो-पीडियाट्रिशियन होर्मोस डफसारी के साथ मिलकर, वेरहेइज सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए।

यूक्रेन शांति वार्ता: बातचीत में प्रगति पर क्या बोले ट्रंप के दामाद कुशनर, भविष्य के तीन आधारों में क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और यूक्रेन-रूस जंग के बीच शांति बहाली के लिए नियुक्त विशेष दूत-जेरेड कुशनर ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति कर रहा है। उन्होंने यूक्रेन के भविष्य के लिए तीन प्रमुख आधारों का जिक्र कर इसे वार्ता और शांति बहाली की रूपरेखा बताया। तीन बिंदुओं में विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी, यूरोपीय संघ (ईयू) की सदस्यता का मार्ग और युद्ध खत्म होने के बाद व्यापक आर्थिक समृद्धि योजना शामिल है।

सोमवार को कुशनर ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थायी शांति बहाल करने का दृढ़ संकल्प लिया है। बकौल कुशनर, अमेरिका युद्ध और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि कुशनर ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ रूसी खेमे से बातचीत के बाद ये बयान दिया। रूस की तरफ से अमेरिका से बात करने वाले लोगों में राष्ट्रपति पुतिन के सहायक यूरी उषाकोव शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति प्रक्रिया में प्रगति पर चर्चा हुई।

शांति वार्ता के मुख्य आधार क्या हैं : कुशनर ने यूक्रेन के लिए तीन आवश्यक आधार बताए हैं। पहला, भविष्य के आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी। दूसरा, यूरोप में यूक्रेन के दीर्घकालिक भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता का मार्ग। तीसरा, यूरोपीय साझेदारों, विश्व बैंक और अन्य के साथ विकसित एक व्यापक युद्धोपरांत समृद्धि योजना। यह योजना यूक्रेन की वित्तीय स्थिरता, पुनर्निर्माण, निवेश और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि का समर्थन करेगी। कुशनर ने जोर दिया कि कोई भी अंतिम शांति समझौता रूस और यूक्रेन दोनों की सहमति से ही होगा।

कूटनीतिक प्रयासों में कौन शामिल हैं : कुशनर ने यूक्रेन और यूरोपीय साझेदारों के साथ एक उपयोगी बातचीत भी की। इसमें जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और इटली के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे। यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो के प्रतिनिधि भी इस बातचीत में मौजूद थे। उन्होंने यूरोप और रूस के बीच सीधी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि नाटो यूरोपीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना रहेगा। दूसरी तरफ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि यूक्रेनी, अमेरिकी और यूरोपीय वार्ता दलों के बीच एक और दौर की चर्चा हुई है। युद्ध के सम्मानजनक अंत और यूक्रेन के लिए गारंटीशुदा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

अमेरिका के प्रमुख बैंकों में आई भारी तकनीकी खराबी: ठप हुई ऑनलाइन सेवाएं, चेक डिपॉजिट और पेमेंट अटके

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब कई बड़े बैंकों की ऑनलाइन और डिजिटल सेवाएं अचानक ठप हो गईं। आउटेज ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका, जेपीमॉर्गन चेस, यूएस बैंक, कैपिटल वन, ट्रुइस्ट और वेल्स फार्गो जैसे प्रमुख बैंकों के ग्राहकों ने अपने खातों तक पहुंच न मिलने और लेन-देन अटकने की व्यापक शिकायतें दर्ज कराईं।

चेस बैंक के 4,800 से ज्यादा ग्राहकों ने की शिकायत, सिस्टम डाउन का मिला संदेश : सोमवार सुबह से शुरू हुई यह समस्या दोपहर तक और गंभीर हो गई। पूर्वी समय के अनुसार दोपहर 2 बजे तक अकेले जेपीमॉर्गन चेस बैंक के 4,800 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने सेवाएं बाधित होने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जो सभी बैंकों में सबसे अधिक थी। चेस बैंक के कई ग्राहकों को मोबाइल और ऑनलाइन पोर्टल पर संदेश मिला कि कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, हम इन्हें ठीक कर रहे हैं, कृपया बाद में प्रयास करें। डलास (टेक्सास) में एक ग्राहक जब शाखा में चेक जमा करने गया, तो बैंक कर्मचारी ने बिना कोई विस्तृत विवरण दिए केवल इतना कहा कि सिस्टम डाउन है।

साइबर हमला नहीं, केवल तकनीकी गड़बड़ी: चेस और यूएस बैंक का स्पष्टीकरण : बैंकिंग सेवाओं के अचानक ठप होने से साइबर हमले की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन चेस बैंक के प्रवक्ता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि यह समस्या किसी साइबर हमले के कारण नहीं बल्कि एक तकनीकी बग के कारण आई है। प्रवक्ता ने कहा कि कुछ लेन-देन पूरा होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है, लेकिन ग्राहकों की अपने खातों और फंड तक पहुंच बनी हुई है। वहीं, यूएस बैंक के प्रवक्ता ने भी कहा कि उनके अपने सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन अन्य वित्तीय संस्थानों की प्रणाली में आई खराबी के कारण जेल पेमेंट भेजने या प्राप्त करने में देरी हो सकती है। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म जेल का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों ने भी सेवाएं ठप होने की शिकायत की।

वॉशिंगटन में ट्रंप के अफसरों पर डर्टी बम हमले की साजिश?: अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा; व्हाइट हाउस सतर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को नई जानकारी मिली है, जिसके मुताबिक ईरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए वॉशिंगटन डीसी में डर्टी बम या रासायनिक हथियार से हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी मीडिया सीएनएन की रिपोर्ट में सात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह से संभावित हमले से निपटने के लिए आकस्मिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, अमेरिकी व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल देश के भीतर किसी विश्वसनीय खतरे की जानकारी नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता लॉरेन बिस ने कहा कि प्रशासन सभी संभावित खतरों पर



लगातार नजर रख रहा है।

डर्टी बम हमले की आशंका, अमेरिकी एजेंसियां सतर्क : सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी में ईरान की ओर से संभावित ठिकानों और निशाने पर रखे जाने वाले लोगों का जिक्र है। इस मामले को लेकर हाल के दिनों में कई उच्चस्तरीय बैठकें भी हुई हैं। इनमें चर्चा की गई कि अगर ईरान अमेरिका के भीतर किसी असामान्य हथियार से हमला करता है तो उससे कैसे निपटा जाएगा।

एक अमेरिकी अधिकारी ने इन तैयारियों को एहतियाती कदम बताया। वहीं, एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों के बीच इस बात पर अभी भी चर्चा जारी है कि ईरान के पास ऐसी कार्रवाई करने की क्षमता और इरादा है या नहीं।

क्या होता है डर्टी बम, परमाणु बम से कितना अलग : डर्टी बम ऐसा विस्फोटक उपकरण होता है, जिसमें पारंपरिक विस्फोटक के साथ रेडियोधर्मी पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर परमाणु विस्फोट करना नहीं, बल्कि विस्फोट के जरिए रेडियोधर्मी पदार्थ फैलाकर दहशत और प्रदूषण पैदा करना होता है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि परमाणु हथियार बनाने की तुलना में डर्टी बम तैयार करना आसान हो सकता है। सीएनएन से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह का कोई भी हथियार आतंक फैलाने का माध्यम है, न कि सटीक हमले का। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ईरान से जुड़े संभावित खतरों के कारण अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को एहतियात के तौर पर सैन्य आवास में स्थानांतरित कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां पहले भी ईरान की ओर से मौजूदा और पूर्व अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने की कथित कोशिशों की जांच करती रही हैं। ईरान ने रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन के प्रवक्ता ने कहा कि उनका देश किसी भी परिस्थिति में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल को पूरी तरह अवैध मानता है। उन्होंने इन आरोपों को झूठा और मनगढ़ंत बताया।

तीन देशों में गोपनीय अभियान: इस्राइल ने 40 साल तक खोजा अपना पायलट, ईरानी जनरल का अपहरण कर की हत्या

इस्राइल, एजेंसी। इस्राइल ने करीब चार दशक पहले लापता हुए अपने एक पायलट को खोजने के लिए लेबनान, सीरिया और ईरान तक खुफिया अभियानों का जाल फैलाया था। इस मिशन में ईरान के दो सैन्य अधिकारियों का अपहरण किया गया। इनमें से एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे की हत्या कर शव समुद्र में फेंकने का दावा किया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने खतरनाक अभियानों के बावजूद इस्राइल अपने पायलट का पता नहीं लगा सका। अब इन गुप्त कार्रवाइयों से जुड़े नए खुलासों ने पूरे मामले को फिर चर्चा में ला दिया है। यह पूरा अभियान इस्राइली वायुसेना के पायलट रॉन अराद की तलाश से



जुड़ा था। वह 16 अक्टूबर 1986 को दक्षिणी लेबनान के ऊपर उड़ान भरते समय विमान में धमाका होने के बाद पैराशूट से नीचे उतरे थे। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। इसके बाद लेबनान के शिया मिलिशिया संगठन अमल ने उन्हें पकड़ लिया। शुरुआत में संगठन ने उनकी रिहाई के बदले करोड़ों डॉलर और कैदियों को छोड़ने की मांग की थी, लेकिन बाद में उनका कोई पता नहीं चला। ईरान लेबनान के शिया संगठनों का बड़ा समर्थक था, इसलिए इस्राइल को शक था कि अराद को ईरान ले जाया गया है। सितंबर 2021 में इस्राइली खुफिया अधिकारियों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी कमांडर जनरल अब्दुल्ला साबेरी को निशाना बनाया। वह राजनयिक इलाके में सुबह की सैर पर निकले थे। इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे एजेंटों ने उन्हें दबोच लिया और बेहोश करके फ्रिज के एक बड़े डिब्बे में बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें वहां से उठा लिया गया। जनरल साबेरी ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी अधिकारी थे। इस्राइली एजेंट उनसे केवल रॉन अराद के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते थे। लंबी पूछताछ और प्रताड़ना के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक सड़क पर छोड़ दिया गया। ईरानी जनरल अलीरेजा असगरी दिसंबर 2006 में तुर्किये के इस्तांबुल स्थित एक होटल से अचानक लापता हो गए थे। करीब दो दशक तक उनकी गुमशुदगी एक रहस्य बनी रही। अब सामने आए दावों के मुताबिक, मोसाद के एजेंटों ने रॉन अराद के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनका अपहरण किया था। उन्हें एक नाव पर ले जाकर कई हफ्तों तक पूछताछ की गई। जब उनसे अराद के बारे में कोई उपयोगी जानकारी नहीं मिली तो उनकी हत्या कर दी गई।

एनवीडिया: जेनसन हुआंग की कंपनी में बतौर सीईओ वापसी मुश्किल, रिपोर्ट में दावा- बोर्ड का ऐसा कोई विचार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। ऐसा दावा किया जा रहा था कि जेनसन हुआंग की एनवीडिया के सीईओ पद पर वापसी हो सकती है और इसके लिए कई तकनीकी दिग्गज समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि अब एक रिपोर्ट में इन दावों को खारिज कर दिया गया है और कहा गया है कि बोर्ड जेनसन हुआंग की सीईओ के तौर पर वापसी को लेकर विचार नहीं कर रहा है।

जेनसन हुआंग की वापसी का किया गया था दावा : फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एनवीडियो का नेतृत्व करने के लिए जेनसेन हुआंग की सीईओ पद पर वापसी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि कई तकनीकी दिग्गज हुआंग की वापसी के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। हुआंग कंपनी में वापसी के लिए अपने भरोसेमंद लोगों से बात कर रहे हैं। वहीं एनवीडिया का बोर्ड उनके मामले की जांच कर रहा है। हुआंग के एक करीबी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि उनकी बहाली के लिए लॉबिंग करने की तैयारी है और इसके लिए एक नेटवर्क बनाया जा रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस से भी मदद मांगी गई है। जो टेक दिग्गज जेनसन हुआंग को पसंद करते हैं, वे इस कैंपेन का समर्थन कर रहे हैं। दावा किया गया कि कई कर्मचारियों ने भी हुआंग की वापसी का समर्थन किया और एक ओपन लैटर पर अपने साइन किए।

अमेरिकी सरकार में ही इसे लेकर विरोधाभास : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एनवीडिया सीईओ के पद पर हुआंग की वापसी



के समर्थन में है। सोमवार को मनीला में 49वें आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले रिपोर्टर्स से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हुआंग की सीईओ पद पर वापसी से उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सह-संस्थापक ने सबक सीख लिया है। हालांकि ट्रंप के ही वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अलग राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि एनवीडिया को बदलाव की जरूरत है और कंपनी को एक बाहरी एग्जीक्यूटिव चाहिए। बेसेंट ने ये भी सवाल उठाया कि क्या हुआंग ने चीन में चिप्स की कथित तस्करी की तरफ से अपनी आंखें मूंदी हुई थी?

चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग के साथ रिश्तों के चलते जेनसन हुआंग ने 33 साल एनवीडिया के सीईओ पद पर रहने के बाद बीती 12 नवंबर को पद छोड़ दिया था। हुआंग के विवाहेतर संबंधों की जांच चल रही है। आरोप है कि हुआंग ने प्रतिबंधित एआई चिप्स बीजिंग भेजे थे। जेनसन हुआंग के एनवीडिया हेल्थकेयर की वाइस प्रेसीडेंट किम्बर्ली पॉवेल के साथ भी कथित तौर पर रिश्ते थे।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण की बढ़ी मुश्किलें: चटगांव से ढाका जेल शिफ्ट

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को चटगांव सेंट्रल जेल से ढाका सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें सोमवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच चटगांव से ढाका ले जाया गया। इस अचानक हुए स्थानांतरण को लेकर उनके वकीलों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि चिन्मय कृष्ण लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और खानपान में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। ढाका जेल में उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन की व्यवस्था नहीं होने से उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चिन्मय कृष्ण के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि उनके आध्यात्मिक नेता सख्त शाकाहारी हैं और वैष्णव परंपरा का पालन करते हैं। वह अपना भोजन खुद बनाकर ही खाते हैं। चटगांव जेल में उनके साथ बंद एक अन्य आरोपी रंगनाथन ब्रह्मचारी उन्हें भोजन तैयार करने में मदद करते थे।

वकील बोले- ढाका जेल में सिर्फ फल खाकर रह रहे : अपूर्व कुमार भट्टाचार्य के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को लिवर की गंभीर बीमारी है। ऐसे में वह किसी भी तरह का भोजन नहीं कर सकते। चटगांव जेल में उन्हें खाने-पीने की सुविधा मिल रही थी, लेकिन



ढाका सेंट्रल जेल में यह व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

वकील ने दावा किया कि ढाका जेल पहुंचने के बाद से वह केवल फल खाकर गुजारा कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि अगर उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक भोजन और सुविधाएं नहीं मिलीं तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय कृष्ण को सोमवार सुबह ढाका ले जाया गया था। उन्हें लेकर जाने वाला वाहन सुबह करीब 10 बजे ढाका सेंट्रल जेल पहुंचा। कौन हैं चिन्मय कृष्ण दास, क्यों हुई थी गिरफ्तारी? चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका से गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े राजद्रोह के मामले में हुई थी। इससे पहले 31 अक्टूबर 2024 को चटगांव के चांदगांव पुलिस थाने के अंतर्गत मोहड़ा वार्ड बीएनपी के तत्कालीन महासचिव फिरोज खान ने चिन्मय कृष्ण समेत 19 लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया था। बाद में बीएनपी ने फिरोज खान को उनके पद से हटा दिया था।

वकील की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं चिन्मय कृष्ण : 26 नवंबर 2024 को चिन्मय कृष्ण दास की जमानत सुनवाई को लेकर चटगांव कोर्ट परिसर में हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान वकील सैफुल इस्लाम की कथित तौर पर पीटकर और धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा पुलिस पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, वकीलों और न्याय मांगने पहुंचे लोगों पर हमले तथा विस्फोटक फेंकने से जुड़े पांच अन्य मामले भी दर्ज किए गए थे। 1 जुलाई 2025 को जांच अधिकारी ने चटगांव की अदालत में चिन्मय कृष्ण दास समेत 38 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपपत्र पर असहमति जताते हुए नाराजी याचिका दायर की। 25 अगस्त 2025 को अदालत ने सुकांत दत्ता समेत 39 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र स्वीकार कर लिया। फिलहाल इस मामले में चटगांव डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

लोकतंत्र की निष्पक्षता, संस्थागत स्वतंत्रता और संवैधानिक संतुलन की बड़ी परीक्षा



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

भारत का लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी विश्वसनीयता इस बात पर भी निर्भर करती है कि चुनाव कराने वाली संस्था कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और भरोसेमंद है। चुनाव आयोग इसी लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। देश में चुनाव की घोषणा से लेकर मतदान, मतगणना और परिणामों तक आयोग की भूमिका निर्णायक होती है। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर उठने वाले सवाल केवल कानूनी विवाद नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से भी जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट में 2023 के कानून को लेकर चल रही सुनवाई इसी व्यापक बहस का हिस्सा है। अदालत ने कानून पर दिए गए बंटे हुए फैसले को वापस लेने की मांग पर अलग से सुनवाई करने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि इस विषय पर पहले से गठित पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ विचार कर सकती है।

इस घटनाक्रम का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून देश की चुनावी व्यवस्था के एक बुनियादी सवाल को सामने लाता है। वर्ष 2023 में बनाए गए कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक चयन समिति का प्रावधान किया गया। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। इस व्यवस्था में भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। यही प्रावधान विवाद के केंद्र में है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि चयन समिति से सीजेआई को बाहर रखने से नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की संस्थागत स्वतंत्रता को लेकर सवाल खड़े होते हैं। दूसरी ओर, कानून की संवैधानिक वैधता का परीक्षण न्यायिक प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है। इस पूरे मामले में यह समझना जरूरी है कि नियुक्ति की प्रक्रिया केवल पद भरने का प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्था के नेतृत्व का चयन है, जिसकी निष्पक्षता पर पूरे देश की चुनावी प्रक्रिया का भरोसा टिका होता है।

सुप्रीम कोर्ट का अलग सुनवाई से इनकार करना इस बात का संकेत है कि अदालत इस विवाद को पहले से गठित पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष ही आगे बढ़ाना चाहती है। संविधान पीठ के सामने ऐसे प्रश्न रखे जाते हैं, जिनका संबंध संविधान की व्याख्या, संस्थागत अधिकारों और संवैधानिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण पहलुओं से होता है। यहां भी सवाल केवल यह नहीं है कि चयन समिति में कौन-कौन शामिल हो, बल्कि यह है कि नियुक्ति की ऐसी व्यवस्था कैसे तैयार की जाए, जिससे चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और संवैधानिक भूमिका सुरक्षित रह सके। अदालत के सामने कानून की वैधता के साथ-साथ नियुक्ति प्रक्रिया के व्यापक लोकतांत्रिक प्रभावों पर विचार करने का अवसर है। अलग से सुनवाई न होने का अर्थ यह नहीं है कि विवाद समाप्त हो गया है। इसका अर्थ है कि संबंधित मुद्दों पर विचार निर्धारित न्यायिक मंच पर ही होगा।

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का महत्व भारतीय लोकतंत्र की प्रकृति से जुड़ा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे नागरिकों को सत्ता के प्रति जवाबदेही तय करने का अवसर भी देते हैं। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना होता है कि चुनावी प्रक्रिया नियमों के अनुसार चले और सभी राजनीतिक दलों तथा उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिले। यदि आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर ही संदेह पैदा होता है, तो उसका असर संस्था की सार्वजनिक विश्वसनीयता पर पड़ सकता है। किसी संवैधानिक संस्था की स्वतंत्रता केवल उसके अधिकारों से तय नहीं होती, बल्कि उसकी नियुक्ति, कार्यप्रणाली और निर्णय लेने की प्रक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। जनता को यह भरोसा होना चाहिए कि संस्था किसी राजनीतिक दबाव से प्रभावित हुए बिना अपने संवैधानिक दायित्व निभा सकती है।

इस संदर्भ में चयन समिति की संरचना पर बहस स्वाभाविक है। नियुक्ति प्रक्रिया में सरकार और विपक्ष की भूमिका किस तरह निर्धारित होनी चाहिए, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रश्न है। प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता की भागीदारी से राजनीतिक पक्षों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है, जबकि तीसरे सदस्य के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। याचिकाकर्ताओं की आपत्ति मुख्य रूप से इस बात पर है कि चयन समिति में सीजेआई को स्थान नहीं दिया गया। उनका मानना है कि न्यायपालिका के एक वरिष्ठ पदाधिकारी की भागीदारी नियुक्ति प्रक्रिया में निष्पक्षता और संतुलन को मजबूत कर सकती है। हालांकि इस विषय पर अंतिम निष्कर्ष अदालत को कानून और संविधान के प्रावधानों के आधार पर ही देना है। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह संवैधानिक सिद्धांतों और लोकतांत्रिक उद्देश्यों के अनुरूप कितनी प्रभावी है।

प्रधान संपादक

दिल के दौरे के बाद दिल की मरम्मत: वैज्ञानिकों की नई खोज से जगी उम्मीद

डॉ. विजय गर्ग

दिल का दौरा मनुष्य के जीवन में आने वाली सबसे गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थितियों में से एक है। मरीज की जान बच जाने के बावजूद दिल की मांसपेशियों को हुआ नुकसान जीवनभर प्रभावित कर सकता है। मानव शरीर के अन्य कई अंगों के विपरीत, दिल में स्वयं को ठीक करने की क्षमता बहुत सीमित होती है। लेकिन चिकित्सा विज्ञान में हो रही नई खोजों ने यह उम्मीद जगाई है कि भविष्य में क्षतिग्रस्त हृदय की मांसपेशियों की मरम्मत या उनका पुनर्निर्माण संभव हो सकता है।

दुनिया भर के वैज्ञानिक दिल के दौरे के बाद क्षतिग्रस्त हृदय की मांसपेशियों को दोबारा स्वस्थ बनाने के नए तरीकों पर काम कर रहे हैं। इनमें स्टेम सेल अनुसंधान, जीन थेरेपी, टिश्यू इंजीनियरिंग और आणविक तकनीकें शामिल हैं, जिनके माध्यम से हृदय की कोशिकाओं को दोबारा विकसित होने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

जब किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है, तो आमतौर पर रक्त का थक्का हृदय की किसी धमनी में रक्त प्रवाह को रोक देता है। पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने के कारण हृदय की मांसपेशियों की कोशिकाएं मरने लगती हैं। बाद में क्षतिग्रस्त स्थान पर निशानयुक्त ऊतक बन जाता है, जो स्वस्थ मांसपेशियों की तरह सिकुड़ने और फैलने में सक्षम नहीं होता। इसके परिणामस्वरूप हृदय कमजोर हो सकता है और हार्ट फेल्योर जैसी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।

नवंबर 2026 में यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के शोधकर्ताओं द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रयोगात्मक शोध की जानकारी सामने आई। वैज्ञानिकों ने ऐसा उपचार विकसित करने का प्रयास किया है, जिससे क्षतिग्रस्त हृदय की मांसपेशियों की कोशिकाएं दोबारा विभाजित हो सकें।

इस शोध में एमबाईसी और साइक टी1 नामक दो प्रोटीनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ये प्रोटीन कोशिकाओं के विकास और विभाजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ताओं ने संशोधित मैसेंजर आरएनए तकनीक का उपयोग करके हृदय की कोशिकाओं तक अस्थायी निर्देश पहुंचाए, ताकि वे इन प्रोटीनों का निर्माण कर सकें।

इसका मुख्य उद्देश्य वयस्क हृदय की कोशिकाओं में लगभग निष्क्रिय हो चुकी कोशिका-विभाजन प्रक्रिया को फिर से सक्रिय करना है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे नई कोशिकाएं बन सकेंगी और दिल के दौरे के कारण नष्ट हुई कुछ मांसपेशियों की भरपाई संभव हो सकेगी।

चूहों पर किए गए प्रयोगों में इस उपचार से हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता में सुधार देखा गया। उपचार प्राप्त करने वाले चूहों का हृदय प्रत्येक धड़कन के साथ लगभग 10 प्रतिशत अधिक रक्त पंप कर रहा था। 12 सप्ताह तक किए गए अनुवर्ती परीक्षणों में भी सुधार देखा गया।

यह परिणाम इस उम्मीद को मजबूत करता है कि भविष्य में क्षतिग्रस्त हृदय की मांसपेशियों को दोबारा विकसित करने की संभावना सामने आ सकती है। इस शोध का महत्व इसके नए दृष्टिकोण में छिपा है। पारंपरिक हृदय उपचार का मुख्य उद्देश्य रक्त प्रवाह को बहाल करना, आगे होने वाले नुकसान को रोकना और बची हुई हृदय की मांसपेशियों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाना होता है।

लेकिन नई खोज एक अलग संभावना तलाश रही है। इसका उद्देश्य हृदय की नष्ट हो चुकी मांसपेशियों की कुछ कोशिकाओं को दोबारा विकसित करना है। यदि यह तकनीक मनुष्यों के लिए सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, तो दिल के दौरे के बाद हार्ट फेल्योर की समस्या से जूझ रहे मरीजों को लाभ मिल सकता है। इससे उनकी दैनिक गतिविधियों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने भी मार्च 2026 में आरएनए आधारित एक अन्य उपचार के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने छोटे लिपिड नैनोपार्टिकल्स में पैक किए गए सेल्फ-एम्प्लीफाइंग आरएनए का उपयोग करके हृदय की सुरक्षा करने वाले प्रो-एएनप नामक प्रोटीन के उत्पादन को प्रोत्साहित किया।

पशुओं पर किए गए प्रयोगों में इस तकनीक से दिल के दौरे के बाद स्वास्थ्य में सुधार देखा गया। इस शोध की एक विशेष बात यह थी कि उपचार सीधे हृदय में देने के बजाय शरीर की कंकालीय मांसपेशियों में दिया गया। इससे शरीर में ऐसा पदार्थ बनने में मदद मिली, जो हृदय की मरम्मत में सहायक हो सकता है। यह शोध वैज्ञानिक जर्नल प्रकाशित हुआ और पुनर्योजी हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई संभावना प्रस्तुत करता है। इन आशाजनक खोजों के बावजूद यह समझना जरूरी है कि अभी तक मनुष्य के क्षतिग्रस्त हृदय को दिल के दौरे के बाद पूरी तरह ठीक करने वाला कोई प्रमाणित उपचार उपलब्ध नहीं हुआ है।

कैम्ब्रिज की एमआरएनए तकनीक का परीक्षण अभी तक चूहों पर किया गया है, मनुष्यों पर नहीं। इसकी सुरक्षा, उचित खुराक और लंबे समय तक प्रभावों को समझने के लिए और शोध की आवश्यकता है। विशेष रूप से कोशिकाओं के विभाजन को नियंत्रित रखना जरूरी है, क्योंकि कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी के शोधकर्ताओं ने जनवरी 2026 में एक अन्य महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत किया। उनके अनुसार, दिल के दौरे के बाद मानव हृदय की कोशिकाओं में भी कुछ हद तक पुनः विकसित होने की क्षमता मौजूद होती है। हालांकि यह प्राकृतिक प्रक्रिया बहुत सीमित है, लेकिन इससे भविष्य के उपचार के लिए नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

चिकित्सा विज्ञान अब केवल बीमारियों का इलाज करने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि क्षतिग्रस्त अंगों की मरम्मत और उनकी प्राकृतिक कार्यक्षमता को बहाल करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। पुनर्योजी चिकित्सा, स्टेम सेल अनुसंधान, जीन थेरेपी और आरएनए तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

प्रकृति से विमुख होता मनुष्य और सभ्यता का संकट

अवनीश कुमार गुप्ता

मनुष्य ने अपनी बुद्धि, श्रम और वैज्ञानिक उपलब्धियों के बल पर सभ्यता का अद्भुत विस्तार किया है। उसने समुद्र की गहराइयों से अंतरिक्ष की दूरियों तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, पर्वतों को काटकर मार्ग बनाए, नदियों पर बाँध खड़े किए और धरती के गर्भ से ऊर्जा तथा खनिज निकालकर औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखी। किंतु इस यात्रा में एक बुनियादी सत्य उसकी दृष्टि से ओझल होता गया कि जिस प्रकृति को वह अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रहा है, उसी पर उसका अस्तित्व निर्भर है। विडंबना यह है कि मनुष्य ने प्रकृति को जीतने के साधन तो विकसित किए, पर अपनी प्राकृतिक निर्भरता को भूलता चला गया। उसने आकाश को मापने की तकनीक बना ली, लेकिन पैरों के नीचे की मिट्टी का मूल्य समझने में चूक गया। आज सभ्यता की चमकदार उपलब्धियों के पीछे पर्यावरणीय असंतुलन की गहरी छाया दिखाई देती है। यह संकट केवल जंगलों, नदियों, पहाड़ों और जीव-जंतुओं का नहीं, मनुष्य के अपने भविष्य का संकट है।

प्रकृति संसाधनों का निष्प्राण भंडार नहीं, बल्कि परस्पर जुड़ी जीवन-व्यवस्था है। वायु, जल, मिट्टी, वनस्पति, जीव-जंतु और मनुष्य एक-दूसरे के अस्तित्व को प्रभावित करते हैं। यहाँ कोई घटक पूरी तरह स्वतंत्र नहीं है; किसी एक की क्षति का प्रभाव अंततः दूसरे तक पहुँचता है। जंगलों का विनाश पेड़ों की संख्या घटाने के साथ वर्षा चक्र, मिट्टी की उर्वरता, भूजल पुनर्भरण और वन्यजीवों के आवास को प्रभावित करता है। नदियों का प्रदूषण जल की गुणवत्ता तक सीमित नहीं रहता; वह कृषि, मत्स्य पालन, जनस्वास्थ्य और सांस्कृतिक जीवन को भी प्रभावित करता है। प्रकृति का संतुलन असंख्य प्रक्रियाओं के सूक्ष्म समन्वय से बनता है। मनुष्य की भूल यह रही कि उसने इस जटिल व्यवस्था को अपनी सुविधा के अनुसार बदलने योग्य वस्तु समझ लिया। वह भूल गया कि प्रकृति के नियम इच्छाओं से नहीं, वैज्ञानिक अनिवार्यताओं से संचालित होते हैं।

आधुनिक विकास ने उत्पादन, उपभोग और आर्थिक विस्तार को प्रगति का प्रमुख पैमाना बना दिया है। ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, विशाल औद्योगिक परिसर और फैलते नगर विकास के प्रतीक माने जाते हैं। इन उपलब्धियों का महत्व असंदिग्ध है, लेकिन जब योजनाओं में पर्यावरणीय वहन क्षमता, स्थानीय पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों की सीमाओं को स्थान नहीं मिलता, तब विकास ही भविष्य की समस्या बन जाता है। शहरों का अनियोजित विस्तार तालाबों, आर्द्रभूमियों और हरित क्षेत्रों को निगल रहा है।

कंक्रीट वर्षा के जल को धरती में समाने से रोकता है; परिणामस्वरूप जलभराव बढ़ता है और भूजल पुनर्भरण घटता है। जिस नगर में पेड़ों की जगह पार्किंग और तालाबों की जगह इमारतें ले लें, वहाँ विकास का मूल्यांकन केवल संपत्ति की कीमत से नहीं किया जा सकता। नगर की वास्तविक समृद्धि स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और सार्वजनिक हरित स्थानों से भी निर्धारित होनी चाहिए। विकास का अर्थ प्रकृति को हटाकर सुविधा खड़ी करना नहीं, बल्कि सुविधा और पारिस्थितिकी के बीच न्यायपूर्ण संतुलन बनाना है।

जलवायु परिवर्तन इस असंतुलन का व्यापक संकेत है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के साथ मौसम के पारंपरिक स्वरूप में बदलाव दिखाई दे रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा बाढ़ लाती है, तो कहीं लंबे सूखे से कृषि और पेयजल प्रभावित होते हैं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की अनिश्चितता खेतों तक सीमित नहीं रहती; इससे ग्रामीण आय, खाद्य कीमतें, रोजगार और अर्थव्यवस्था प्रभावित होते हैं। असामान्य गर्मी खुले में काम करने वाले श्रमिकों, बुजुर्गों और बच्चों के लिए विशेष जोखिम पैदा करती है। हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों और पर्वतीय पारिस्थितिकी पर दबाव नदियों तथा बस्तियों के भविष्य से जुड़ा है।

मौसम का बदलता मिजाज प्रकृति की भाषा में लिखा चेतावनी-पत्र है। इसे पढ़ने के लिए भविष्यवक्ता नहीं, वैज्ञानिक दृष्टि और राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। जलवायु संकट की एक नैतिक विडंबना भी है- इसके कारणों में जिनकी भूमिका अधिक है, वे हमेशा इसके दुष्परिणामों का सबसे बड़ा भार नहीं उठाते। गरीब, किसान, श्रमिक और सीमित संसाधनों वाले समुदाय अक्सर अधिक प्रभावित होते हैं, जबकि निर्णय प्रक्रिया में उनकी आवाज कमजोर रहती है। इसलिए जलवायु न्याय पर्यावरणीय विमर्श का अनिवार्य पक्ष होना चाहिए।

जल संकट प्रकृति से विमुखता का प्रत्यक्ष परिणाम है। अनेक नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल पर निर्भरता बढ़ी है, लेकिन उसके पुनर्भरण की व्यवस्था समान गति से विकसित नहीं हुई। नलकूपों और गहरे बोरवेल से जल निकाला जाता है, जबकि वर्षा का पानी सड़कों और नालियों से बहकर निकल जाता है। पारंपरिक तालाब, कुएँ और जलस्रोत अतिक्रमण तथा उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक हिस्सों में गर्मियों के दौरान भूजल की उपलब्धता और गुणवत्ता चिंता का विषय बनती है।

समाधान केवल दूरस्थ स्रोतों से पानी लाने या नए जलाशय बनाने में नहीं है। वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन, जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण, फसल चक्र में सुधार और घरेलू स्तर पर विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक हैं। पानी केवल उपभोग की वस्तु नहीं, साझा प्राकृतिक विरासत है। जल संकट वास्तव में पानी की कमी के साथ हमारी नियोजन क्षमता, सामाजिक न्याय और सामूहिक उत्तरदायित्व की परीक्षा भी है। जिस समाज में जल का वितरण असमान हो और स्रोत नष्ट किए जाएँ, वहाँ तकनीकी आपूर्ति भी स्थायी समाधान नहीं बन सकती।

मिट्टी का संकट खाद्य सुरक्षा से जुड़ा है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का असंतुलित उपयोग, एक ही फसल की निरंतर खेती, जैविक पदार्थों की कमी और भूमि कटाव मिट्टी की संरचना को प्रभावित कर सकते हैं। मिट्टी केवल फसल उगाने का माध्यम नहीं; वह सूक्ष्मजीवों, केंचुओं और जैविक प्रक्रियाओं से संचालित जीवंत तंत्र है। जिसे हम पैरों के नीचे पड़ा निर्जीव पदार्थ समझते हैं, उसी में अगली पीढ़ियों के पोषण की संभावना छिपी है। उसकी जैविक गुणवत्ता कमजोर होने पर खेती की दीर्घकालिक उत्पादकता भी प्रभावित होती है।

इसलिए कृषि को केवल अधिक उत्पादन की प्रतिस्पर्धा से निकालकर टिकाऊ उत्पादन की दिशा में ले जाना होगा। मृदा परीक्षण, फसल विविधीकरण, जैविक पदार्थों का उपयोग, सूक्ष्म सिंचाई और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियाँ उपयोगी हैं। किसान को पर्यावरण संरक्षण का अकेला जिम्मेदार मानना अन्याय होगा; उसे उचित मूल्य, तकनीकी सहायता और संक्रमण काल में आर्थिक सुरक्षा देकर परिवर्तन का सक्षम भागीदार बनाना होगा।

साहित्यकार एवं स्वतंत्र स्तंभकार
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

बच्चों के अधिकार, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य का संकल्पः विश्व बाल दिवस

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

विश्व बाल दिवस प्रतिवर्ष 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिन पूरी दुनिया को बच्चों के अधिकारों, उनकी खुशियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। बच्चे किसी भी देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि उसकी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति के आधार भी होते हैं। इसलिए बच्चों का सर्वांगीण विकास प्रत्येक समाज और राष्ट्र की प्राथमिकता होनी चाहिए।



विश्व बाल दिवस मनाने की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1954 में की थी। 20 नवम्बर 1959 को संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकारों की घोषणा स्वीकार की थी। इसी दिन 1989 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय को अपनाया गया। इसका उद्देश्य दुनिया के प्रत्येक बच्चे को समान अधिकार, सम्मान और अवसर उपलब्ध कराना है।बच्चों को जीवन जीने, शिक्षा प्राप्त करने, स्वास्थ्य सुविधाएं पाने, पोषण, सुरक्षा और अपनी बात कहने का अधिकार है।

प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर मिलना चाहिए। गरीबी, जाति, धर्म, भाषा, लिंग अथवा आर्थिक स्थिति के आधार पर बच्चों के साथ भेदभाव करना उनके अधिकारों का हनन है। समाज की जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक बच्चे को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराए। आज भी दुनिया के अनेक हिस्सों में बच्चे बाल मजदूरी, बाल विवाह, कुपोषण, घरेलू हिंसा, शोषण और अशिक्षा जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। भारत में भी अनेक बच्चे आर्थिक तंगी के कारण विद्यालय छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

कुछ बच्चे शिक्षा की उम्र में मजदूरी करते हैं तो कुछ नशे और अपराध की दुनिया की ओर धकेल दिए जाते हैं। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार के साथ-साथ माता-पिता, शिक्षक और समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनमें नैतिकता, संस्कार, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी आवश्यक है।

बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने के बजाय उनकी रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। डिजिटल युग में बच्चों को इंटरनेट और मोबाइल के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी, अनुचित सामग्री और साइबर अपराधों से बचाने के लिए अभिभावकों को सतर्क रहना चाहिए। विश्व बाल दिवस हमें यह संदेश देता है कि बच्चों का बचपन सुरक्षित, खुशहाल और स्वतंत्र होना चाहिए।

उनकी मुस्कान में ही समाज की वास्तविक समृद्धि छिपी है। आइए, इस अवसर पर संकल्प लें कि किसी भी बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान से वंचित नहीं रहने देंगे। क्योंकि आज के बच्चे ही कल के जिम्मेदार नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, साहित्यकार और राष्ट्र निर्माता बनेंगे। बचपन को संवारना ही देश के भविष्य को संवारना है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

दृष्टिबाधित लोगों की सुनने की असाधारण क्षमता: मस्तिष्क की अनुकूलन शक्ति और आंतरिक शोर की भूमिका

यूथ इंडिया

मनुष्य की इंद्रियां केवल बाहरी दुनिया से जानकारी जुटाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे मस्तिष्क के विकास और उसकी कार्यक्षमता को भी प्रभावित करती हैं। आमतौर पर हम दुनिया को समझने के लिए आंखों पर सबसे अधिक निर्भर रहते हैं, लेकिन जिन लोगों की दृष्टि बचपन में ही चली जाती है, उनका मस्तिष्क दूसरे संवेदी अनुभवों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है। ऐसे लोगों में सुनने की असाधारण क्षमता देखी गई है। यह क्षमता केवल तेज आवाज सुन लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग ध्वनियों के बीच सूक्ष्म अंतर पहचानने और आवाज से जुड़ी जानकारी को अधिक सटीक ढंग से समझने में भी दिखाई देती है।

एक शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि बचपन से दृष्टिबाधित लोगों की श्रवण क्षमता सामान्य दृष्टि वाले लोगों से किस तरह अलग होती है। इसके लिए दो समूह बनाए गए। पहले समूह में नौ ऐसे लोग शामिल थे, जो दो वर्ष की उम्र से पहले दृष्टिबाधित हो गए थे। दूसरे समूह में सामान्य दृष्टि वाले 18 लोगों को शामिल किया गया। दोनों समूहों के प्रतिभागियों को संगीत का अलग-अलग स्तर का प्रशिक्षण मिला हुआ था। इस व्यवस्था से शोधकर्ताओं को यह समझने का अवसर मिला कि सुनने की क्षमता पर दृष्टि की स्थिति के साथ-साथ संगीत के अनुभव का कितना प्रभाव पड़ता है।

शोध के दौरान प्रतिभागियों को अलग-अलग ध्वनियां सुनाई गईं और उनसे उनके बीच के अंतर को पहचानने से जुड़े कार्य कराए गए। परिणामों में सामने आया कि बचपन से दृष्टिबाधित लोग ध्वनियों के बीच अंतर पहचानने में सामान्य दृष्टि वाले प्रतिभागियों से बेहतर रहे। यह अंतर बताता है कि श्रवण क्षमता का संबंध केवल कानों से मिलने वाले संकेतों से नहीं है, बल्कि मस्तिष्क उन संकेतों को किस तरह ग्रहण और संसाधित करता है, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यानी सुनने की प्रक्रिया में मस्तिष्क की भूमिका बहुत व्यापक होती है।

इस अंतर के पीछे मौजूद कारणों को समझने के लिए शोधकर्ताओं ने एक गणितीय मॉडल का सहारा लिया। इसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि अलग-अलग ध्वनियों को पहचानने में लोगों की क्षमता में अंतर क्यों आता है। मॉडल से संकेत मिला कि बचपन से दृष्टिबाधित लोगों में ध्वनियों के बीच अंतर पहचानने की बेहतर क्षमता का एक प्रमुख कारण आंतरिक शोर का कम होना है। आंतरिक शोर से आशय मस्तिष्क की उस अनिश्चितता या असंगति से है, जो किसी ध्वनि से मिली जानकारी को समझने और उसका सही अर्थ निकालने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

इसे सरल भाषा में समझें तो जब हम कोई आवाज सुनते हैं, तब मस्तिष्क केवल उस आवाज को ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसके बारे में उपलब्ध जानकारी का विश्लेषण भी करता है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी मस्तिष्क की अपनी गतिविधियां संकेतों को समझने में बाधा बन सकती हैं। यदि यह आंतरिक शोर कम हो, तो मस्तिष्क ध्वनि से जुड़ी जानकारी को अधिक भरोसेमंद तरीके से समझ सकता है। यही वजह हो सकती है कि बचपन से दृष्टिबाधित लोग आवाजों में मौजूद छोटे-छोटे अंतर को अधिक सटीकता से पहचान पाते हैं।

शोध में संगीत प्रशिक्षण का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रूप से सामने आया। सामान्य दृष्टि वाले जिन प्रतिभागियों को संगीत का व्यापक प्रशिक्षण मिला था, उनकी ध्वनियों के प्रति प्रतिक्रिया भी अधिक सुसंगत रही। इसके विपरीत, जिन लोगों को न तो बचपन से दृष्टिबाधित होने का अनुभव था और न ही संगीत का व्यापक प्रशिक्षण मिला था, उनकी प्रतिक्रियाओं में अपेक्षाकृत अधिक अंतर देखा गया। इससे यह समझने में मदद मिलती है कि श्रवण क्षमता को बेहतर बनाने में केवल जन्मजात या शारीरिक परिस्थितियां ही भूमिका नहीं निभातीं, बल्कि लंबे समय तक मिलने वाला अभ्यास और अनुभव भी मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं।

यहां मस्तिष्क की एक खास विशेषता को समझना जरूरी है, जिसे उसकी अनुकूलन क्षमता या न्यूरोप्लास्टिसिटी कहा जाता है। जन्म के समय मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता। जीवन के शुरुआती वर्षों से ही वह आसपास के वातावरण, अनुभवों और परिस्थितियों के अनुसार अपने तंत्रिका संबंधों में बदलाव करता रहता है। जब किसी व्यक्ति को किसी एक इंद्रिय से मिलने वाली जानकारी सीमित हो जाती है, तो मस्तिष्क उपलब्ध दूसरी इंद्रियों से मिलने वाले संकेतों को समझने और उनका उपयोग करने के तरीके में बदलाव कर सकता है। इस तरह अनुभव मस्तिष्क के विकास की दिशा को प्रभावित करते हैं।

दृष्टिबाधित लोगों के मामले में यह अनुकूलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। जब देखने से जुड़ी जानकारी उपलब्ध नहीं होती या बहुत सीमित होती है, तब सुनने और अन्य इंद्रियों से मिलने वाले संकेतों का महत्व बढ़ जाता है। मस्तिष्क इन संकेतों को समझने के लिए अपने संसाधनों और प्रक्रियाओं को ढाल सकता है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि हर दृष्टिबाधित व्यक्ति में एक जैसी श्रवण क्षमता विकसित होगी। व्यक्तिगत अनुभव, दृष्टि जाने की उम्र, प्रशिक्षण और आसपास का वातावरण जैसे कई कारक इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं।

संगीत का अभ्यास भी मस्तिष्क की इसी अनुकूलन क्षमता का उदाहरण है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

पुरुष का पर्व॥

माथे पर जिम्मेदारियाँ, आँखों में अरमान।
हँसकर सब कुछ सह रहा, पुरुष रखे सम्मान॥

पत्थर जैसा दिख रहा, भीतर कोमल भाव।
पुरुष हृदय में पल रहे, अनकहे रोज घाव॥

घर की खातिर रात-दिन, करता श्रम निष्काम।
अपने सपनों को भुला, देता सबको नाम॥

आँसू उसके भी बहें, दुख उसका भी खास।
पुरुष हृदय को चाहिए, अपनापन विश्वास॥

केवल धन से मत करो, पुरुषों का सम्मान।
उसके श्रम और त्याग का, समझो सही विधान॥

विपदा में जो डट रहे, रखकर मन में धीर।
पुरुष वही जो बाँटता, औरों की भी पीर॥

पिता बने तो छाँव दे, बेटा बनकर मान।
पति बनकर सम्मान दे, यही पुरुष की शान॥

अपनी पीड़ा को छिपा, पूछे सबका हाल।
ऐसे कितने पुरुष हैं, जिनका जीवन ढाल॥

मेहनत से इतिहास लिख, मत कर झूठा गर्व।
कर्मों से पहचान बन, यही पुरुष का पर्व॥



डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

(कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)
प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखा

एआई के माध्यम से छात्रा की अश्लील फोटो और तस्वीर बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा थाना बीटा- दो में एक बीटेक की छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक युवक एआई के माध्यम से उसकी गंदी-गंदी तस्वीर बनाकर उसके रिश्तेदारों और दोस्तों को भेज रहा है। उसे वह मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पीड़िता के अनुसार आरोपी उसे और उसके परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात को एक युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अल्फा- वन सेक्टर में रहती हैं। उनके अनुसार वह एक कॉलेज से पढ़ाई कर रही हैं। उसके अनुसार एक युवक एआई के माध्यम से उसकी गंदी-गंदी तस्वीर बनाकर उसके दोस्तों और रिश्तेदारों को भेज रहा है। वह उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। पीड़िता के अनुसार वह उसके परिवार के लोगों को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। छात्रा के अनुसार उसने इस बात की शिकायत उसके पिता से की तो उन्होंने कहा कि मैं जनपद मऊ की जेल में एक महीने रह कर आया हूं। मैं दोबारा से जेल चला जाऊंगा, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर के अंदर मिला महिला का शव, बरामदे में बिखरा था खून; जांच में जुटी पुलिस

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। महिला का शव घर के अंदर पड़ा मिला, जबकि बरामदे में खून के निशान मिलने से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो गए। घटना के वक्त परिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू कर दी।
जानकारी के मुताबिक, सलेमपुर निवासी पुनीता देवी (35) पत्नी हरि सिंह का शव शुक्रवार सुबह करीब सात बजे घर के अंदर मिला। बताया गया कि महिला रात में अपने पति और बेटी के साथ सो रही थी। वहीं, बेटा और बहू दूसरे कमरे में थे। सुबह जब परिजनों ने महिला को मृत अवस्था में देखा तो घर में चीख-पुकार मच गई। इसी दौरान बरामदे में खून बिखरा मिलने की बात सामने आई, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया।
घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनेश कुमार, सहार थानाध्यक्ष गणेश गुप्ता और बेला थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जरूरी साक्ष्य और नमूने एकत्र कराए गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मौत के पीछे की वजह का पता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

गंगा एक्सप्रेस वे पर श्रद्धालुओं से भरी वैन पलटी,एक की मौत सात घायल

रायबरेली।
उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में श्रद्धालुओं से भरी वैन गंगा एक्सप्रेस वे पर पलट गई,जिसमें चालक की मौत हो गई जबकि 11 श्रद्धालु घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर है। सभी श्रद्धालु महाराष्ट्र के जालना से वाराणसी में काशी विश्वनाथ जी का दर्शन करने जा रहे थे।

निर्बाध उपचार के लिए हर जरूरतमंद का बनेगा आयुष्मान कार्ड : सीएम योगी





गोरखपुर।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उपचार कराने में पूरी मदद करेगी। इसके लिए हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि बीमारी की स्थिति में उनका निर्बाध उपचार हो सके।
शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ करीब 150 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे चिंता न करें, सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित और हस्तगत किया। साथ ही निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में जमीन कब्जा करने से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में विधिसंगत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मंदिर की गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातःकाल महायोगी गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से रोटी व गुड़ खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। उन्होंने भोलू नामके बछड़े और छुटकी नाम की बछिया को आवाज देकर अपने पास बुलाया और उन्हें खूब दुलारा। गोशाला में रोटी-गुड़ खिलाने के दौरान गौवंश, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सानिध्य पाकर उनके और निकट आने के लिए भावविह्वल अंदाज में उतावले होने लगे। इस पर मुख्यमंत्री ने प्यार से उन्हें समझाया, ह्यअपनी जगह पर ही रहो नहीं तो चोट लग जाएगी।

542 गांवों में घर-घर पहुंचा नल से जल, ग्रामीणों को मिली पानी की किल्लत से राहत

जल जीवन मिशन के तहत 542 गांवों का हुआ जलार्पण, 154 गांवों में वाटर टेस्टिंग जारी

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट दूर करने की दिशा में जल जीवन मिशन महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। योजना के तहत जिले के 542 गांवों में घर-घर नल से जल पहुंचाया जा रहा है। इन गांवों का जलार्पण भी किया जा चुका है। इससे ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल रही है। वहीं, पानी के लिए दूर-दराज के हैंडपंपों और अन्य जलस्रोतों पर निर्भरता भी कम हुई है।
औरैया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी रही है। खासकर बुंदेलखंड से जुड़े सदर ब्लॉक क्षेत्र में गर्मी के दिनों में पानी की किल्लत ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनती रही है। ऐसे में जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर तक नल से जल पहुंचाने की पहल ग्रामीणों के लिए राहत लेकर आई है।
जिले में कुल 768 गांव हैं। इनमें से 542 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत घरों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था शुरू हो चुकी है और उनका जलार्पण किया जा चुका है। इसके अलावा 154 गांवों में वाटर टेस्टिंग (ट्रायल रन) का काम चल रहा है, जबकि 29 गांवों में निर्माण कार्य प्रगति पर है। वहीं, पुरानी योजना से संचालित गुनौली, खुर्दा और उमरी गांवों में ट्यूबवेल दुरुस्त होने के बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह तक जलापूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।
महिलाओं को मिली बड़ी राहत।
योजना लागू होने से ग्रामीण परिवारों को पानी के लिए दूर-दराज के हैंडपंपों और अन्य जलस्रोतों तक नहीं जाना पड़ रहा है। खासकर महिलाओं को सिर पर पानी ढोने और घंटों इंतजार करने की समस्या से राहत मिली है। गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से निपटने में भी यह योजना मददगार साबित हो रही है।
जल संरक्षण के प्रति किया जा रहा जागरूक।
जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल घरों तक पानी पहुंचाना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाना और लोगों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना भी है। इसके साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल संचयन, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पानी की बबार्दी रोकने और नियमित जलापूर्ति बनाए रखने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया जा रहा है।

सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति पर युवा संवाद में उमड़ी युवाओं की आवाज

कानपुर।
सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और नई पीढ़ी के विचारों को लेकर कानपुर के मंधना में आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम में युवाओं की आवाज गूंजी। राष्ट्र निर्माण संस्था की ओर से बुधवार को महाराणा प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक युवा शामिल हुए। इस दौरान आध्यात्मिक वक्ता किशोरी और राष्ट्र निर्माण संस्था के अध्यक्ष सुरेश चव्हाणके और अन्य वक्ताओं के साथ युवाओं ने धर्म, आस्था, सोशल मीडिया पर धार्मिक जानकारी की विश्वसनीयता और सनातन परंपराओं से जुड़े सवालों पर खुलकर संवाद किया।
कार्यक्रम में सवाल-जवाब के साथ भजन और संगीत ने भी माहौल को भक्तिमय बनाया। संवाद के दौरान युवाओं ने पूछा कि सोशल मीडिया पर सनातन धर्म और धार्मिक परंपराओं को लेकर तरह-तरह की जानकारियां सामने आती हैं। ऐसे में सही और गलत जानकारी के बीच अंतर कैसे किया जाए? किसी व्यक्ति के धर्म के बारे में किए गए दावे की सत्यता कैसे जांचें? किशोरी ने विस्तार से युवाओं की जिज्ञासा का समाधान किया। युवाओं ने यह भी जानना चाहा कि नई पीढ़ी आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से जुड़े रहते हुए अपनी धार्मिक परंपराओं को सही तरीके से कैसे समझ सकती है।
एक छात्र ने सवाल किया कि आज के प्रतिस्पर्धा भरे दौर में सफलता हासिल करने का मंत्र क्या है?
जीवन में आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युवाओं को किस रास्ते पर चलना चाहिए?

डी- गैंग का कुख्यात सदस्य पुलिस मुठभेड़ में ढेर, 50 हजार रुपए का ईनाम था घोषित



नोएडा।
उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और दिल्ली क्राइम ब्रांच ने एक संयुक्त मुठभेड़ के दौरान दाऊद इब्राहिम गैग के सक्रिय सदस्य को मुठभेड़ के दौरान मार गिराया है। इसके ऊपर 50 हजार रुपए का दिल्ली से इनाम घोषित था। उक्त आरोपी के खिलाफ पूर्व में हत्या, हत्या के प्रयास, चोरी ,बलवा, लूटपाट सहित विभिन्न धाराओं में 26 मुकदमे दर्ज हैं।
अपर पुलिस महानिदेशक (एसटीएफ) अमिताभ यश ने बताया कि बीती रात को एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि कुख्यात बदमाश नसीम दुरानी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की नीयत से सिकंदराबाद बुलंदशहर के सिकंदराबाद क्षेत्र में आया है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नसीम को घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख उक्त बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में टीम ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली नसीम को लगी। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पास से पुलिस ने अवैध हथियार आदि बरामद किया है।
उन्होंने बताया कि इसके ऊपर उत्तर प्रदेश, दिल्ली में हत्या के चार मुकदमे सहित 26 मामले दर्ज हैं। इस बदमाश ने छोटा शकील के कहने पर पाकिस्तान कैनेडियन मूल के तारिक फतह और तिहाड़ जेल में बंद छोटा राजन को मारने की सुपारी ली थी, लेकिन घटना से पहले ही दिल्ली पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने बताया कि यह दिल्ली के थाना खजूरी खास एरिया में दो माह में दो हत्याएं कर चुका था। इसने दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के ऑफिस के बाहर 16 नवंबर को एक व्यक्ति समीर की गोली मारकर हत्या कर दी थी।
इसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम दिल्ली पुलिस द्वारा घोषित था। यह दाऊद और छोटा शकील से जुड़ा हुआ था। उनके लिए कई घटनाएं कार्य कर चुका था।

प्राथमिक विद्यालय के नए भवन निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप

बाराबंकी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में ब्लॉक रामनगर के प्राथमिक विद्यालय थाल खुर्द में निमार्णाधीन नवीन भवन की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी कर घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया है। भवन में पीली ईंटों के प्रयोग और मसाले के अनुपात को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। निर्माण कार्य में लगे एक मजदूर का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह सात-एक के अनुपात में मसाला लगाए जाने की बात कह रहा है।
जानकारी के अनुसार, विद्यालय परिसर में करीब 15 लाख 68 हजार रुपये की लागत से दो कमरे, एक बरामदा और एक प्रधानाध्यापक कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में विद्यालय के अतिरिक्त कक्षों में शिक्षण कार्य संचालित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण की जिम्मेदारी इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने एक व्यक्ति को ठेके पर दे रखी है। संबंधित व्यक्ति द्वारा निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है।
ग्रामीणों के मुताबिक, भवन निर्माण में पीली ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, सीमेंट, मौरंग और बालू के मिश्रण का अनुपात भी मानक के अनुरूप नहीं है। सबसे गंभीर सवाल भवन की नींव को लेकर उठाए जा रहे हैं।
आरोप है कि नींव की गहराई कम रखी गई है और तल में गिट्टी डालने के बजाय बालू तथा नाममात्र के पीली ईंटों के टुकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। इससे भवन की मजबूती और भविष्य में उसकी सुरक्षा को लेकर आशंकाएं जताई जा रही हैं।
ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान प्रशासक सुनील कुमार यादव भी निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पहले शिकायत कर चुके हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य में सुधार करने की हिदायत भी दी थी, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सहित विभागीय अधिकारियों से शिकायत कर निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने और मानकों के अनुरूप काम सुनिश्चित कराने की मांग की है।
इस संबंध में विभागीय सहायक अभियंता विश्वजीत राय ने बताया कि मौके पर जांच कराई जाएगी। भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

लैन और बिछलखा समितियों पर धान खरीद की रफ्तार सुस्त



बाराबंकी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रामनगर तहसील क्षेत्र के साधन सहकारी समिति लैन और बिछलखा पर धान खरीद की रफ्तार बेहद धीमी बनी हुई है। दोनों समितियों पर अब तक कुल मिलाकर महज 600 कुंतल धान की खरीद हो सकी है। खरीद की सुस्त गति के चलते किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर सेमराय क्रय केंद्र पर धान खरीद अपेक्षाकृत तेजी से हो रही है, जहां अब तक तीन हजार कुंतल से अधिक धान खरीदा जा चुका है।
जानकारी के अनुसार, साधन सहकारी समिति बिछलखा पर अब तक करीब 200 कुंतल और लैन समिति पर 400 कुंतल धान की खरीद हुई है। दोनों केंद्रों की खरीद का आंकड़ा सेमराय क्रय केंद्र की तुलना में काफी कम है। ऐसे में किसानों को आशंका है कि खरीद की यही स्थिति रही तो उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक भागदौड़ करनी पड़ेगी।
किसान नेता शिव बरन वर्मा और नरेंद्र सिंह ने कहा कि जिन समितियों और क्रय केंद्रों पर धान खरीद की रफ्तार धीमी है, वहां तत्काल खरीद प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। प्रत्येक केंद्र पर जिम्मेदार अधिकारी की तैनाती हो, जिससे किसानों को धान बेचने के लिए लंबे समय तक चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें उपज का उचित मूल्य मिल सके। उन्होंने सभी क्रय केंद्रों की नियमित निगरानी किए जाने की भी मांग उठाई।
इस संबंध में एसडीएम आकांक्षा गुप्ता ने बताया कि तहसील क्षेत्र के सभी धान क्रय केंद्रों की निगरानी की जा रही है। कहीं से भी किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो वह स्वयं मौके पर जाकर जांच करेंगी। अनियमितता मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अर्जेंटीना के जेवियर नतालियो ने काशी के योगायतन इंटरनेशनल में सीखा भारतीय योग और संस्कृति का ज्ञान

पाँच दिवसीय प्रवास के दौरान योग, ध्यान, प्राणायाम एवं भारतीय जीवन दर्शन का किया गहन अध्ययन

वाराणसी।
भारतीय योग, अध्यात्म एवं संस्कृति की वैश्विक पहचान को विस्तार देने में काशी की संस्था योगायतन इंटरनेशनल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में अर्जेंटीना से आए जेवियर नतालियो ने 14 से 20 नवंबर तक योगायतन इंटरनेशनल में प्रवास कर भारतीय योग परंपरा, ध्यान, प्राणायाम एवं भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया।
पाँच दिवसीय प्रवास के दौरान जेवियर नतालियो ने योगायतन इंटरनेशनल के मार्गदर्शक एवं योगाचार्य योगेश पाण्डेय के निर्देशन में योग, ध्यान और प्राणायाम की



विभिन्न विधाओं का अभ्यास किया। इस दौरान उन्हें योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चिंतन, योग दर्शन और पारंपरिक जीवन पद्धति के विविध पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों, अनुशासन, आत्मचिंतन तथा संतुलित जीवनशैली को भी करीब से समझा। उल्लेखनीय है कि योगायतन इंटरनेशनल की स्थापना योगऋषि डॉ. राकेश पाण्डेय ने योग, अध्यात्म एवं मानव कल्याण के उद्देश्य से की थी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन योग-साधना, समाजसेवा और निःशुल्क योग प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों को स्वस्थ शरीर एवं शांत मन का संदेश देने के लिए समर्पित किया। उनके शिष्य एवं पुत्र योगेश पाण्डेय अपने पिता के विचारों, आदर्शों और योग-साधना की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका प्रयास है कि योग को केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित न रखते हुए उसके मानसिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को भी वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जाए।
योगायतन इंटरनेशनल में अपने प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए जेवियर नतालियो ने यहां मिले योग प्रशिक्षण, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और भारतीय संस्कृति से परिचय को बेहद सुखद एवं यादगार बताया। उन्होंने इस दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभवों की सराहना की।

श्री हरि प्रबोधिनी एकादशी पर लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में लगाई आस्था की डुबकी,किया दानपुण्य

चार माह के योग निद्रा से जागे श्री हरि,काशी पुराधिपति की नगरी श्री हरि की आराधना में लीन,मांगलिक कार्य शुरू

वाराणसी।
कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी देव उठनी (हरि प्रबोधिनी) एकादशी पर शुक्रवार को लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा नदी में हर-हर गंगे का उद्घोष कर आस्था की डुबकी लगाई। और दान पुण्य के बाद श्री हरि की आराधना कर गंगाघाटों पर ही भगवान शालिग्राम-तुलसी जी का पूरे श्रद्धा के साथ विवाह रचाया। देवउठनी एकादशी पर प्राचीन दशाश्वमेधघाट,,शीतलाघाट,पंचगंगा,अस्सीघाट,भैसासुरघाट,सामने घाट,अस्सीघाट पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु भोर से ही पहुंचने लगे। घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जल पुलिस, एनडीआरएफ अलर्ट है। वहीं, पुलिस भी मुस्तैद है। स्नानार्थियों



को गहरे पानी में न जाने के लिए आगाह किया जा रहा है।
गौरतलब है कि हरि प्रबोधिनी एकादशी से चराचर जगत के पालनहार श्री हरि भगवान विष्णु भी मान्यता है कि चार मास की योग निद्रा से जाग जाते है। श्री हरि के योग निद्रा से जागने के साथ ही मांगलिक कार्य भी शुरू हो जायेगा। देवउठनी एकादशी पर शहर के प्रमुख चौराहों, मोहल्लों में लगे गन्ने की अस्थाई दुकानों पर लोगों ने जमकर खरीददारी की।

पंचगंगा घाट पर श्रीमठ में तुलसी विवाह शाम को

पंचगंगा घाट स्थित श्रीमठ में शुक्रवार शाम तुलसी विवाह पूरे धूमधाम से होगा। मठ से जुड़े संतों के अनुसार शाम को गोधूलि वेला में गणेश घाट से श्रीमठ तक गाजेबाजे के साथ भगवान शालिग्राम की बरात निकाली जाएगी।
मठ में रामानंदाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य के सानिध्य में द्वारपूजा होगी। पूजन-अर्चन के साथ ही विधिवत शालिग्राम-तुलसी विवाह होगा। तुलसीघाट पर भी श्री संकटमोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्र के सानिध्य में तुलसी विवाह होगा। सनातनी शास्त्रों में वर्णित है कि कार्तिक मास में एकादशी तिथि पर तुलसी विवाह का विशेष महत्व है। तुलसी का विवाह भगवान के शालीग्राम अवतार के साथ होता है। माना जाता है कि तुलसी विवाह करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। लोग घरों के अलावा घाटों पर तुलसी विवाह की परंपरा को निभाते है। घरों में तुलसी के पौधे पर जल अर्पण कर शाम को दीप भी जलाएंगे। दशाश्वमेध घाट के तीर्थ पुरोहित राजू तिवारी ने बताया कि देवोत्थान एकादशी से ही हिन्दू धर्म में विवाह,तिलक सहित अन्य मांगलिक कार्य की शुरूआत होती है। इस दिन गंगा स्नान,दान-पुण्य और भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। देवोत्थान एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक लगातार पॉच दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इन पॉच दिनों तक गंगा स्नान से पूरे कार्तिक मास के स्नान के समान पुण्य प्राप्त होता है।

छह महीने से बंद है राशन कार्ड बनाने की साइट, पुराने कार्ड काटने का सिलसिला जारी



बाराबंकी ।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के रामनगर नगर क्षेत्र में नए राशन कार्ड बनाने की ऑनलाइन प्रक्रिया पिछले छह महीने से ठप पड़ी है। इसके चलते सैकड़ों पात्र परिवार सरकारी राशन योजना का लाभ पाने के लिए भटकने को मजबूर हैं। जरूरतमंद परिवार नए राशन कार्ड बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कराकर संबंधित दस्तावेज पूर्ति विभाग में जमा कर चुके हैं, लेकिन विभागीय कार्यालय पहुंचने पर उन्हें साइट बंद होने का हवाला देकर वापस कर दिया जाता है।
हैरानी की बात यह है कि एक ओर नए राशन कार्ड बनाने की ऑनलाइन सुविधा बंद है, वहीं दूसरी ओर पुराने राशन कार्ड निरस्त करने की प्रक्रिया लगातार जारी है। बताया जा रहा है कि तीन महीने तक राशन न लेने वाले कार्डधारकों के राशन कार्ड ऑनलाइन काटे जा रहे हैं। ऐसे में पात्र परिवारों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि जब पुराने कार्ड निरस्त करने की ऑनलाइन व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है तो नए राशन कार्ड बनाने की सुविधा क्यों बंद है।
स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जरूरतमंद परिवार ऐसे हैं, जो पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं, लेकिन राशन कार्ड न होने के

'ईडी लाई ही नहीं थी वारंट, अब अंगूठे के निशान पर होगी कानूनी लड़ाई', आजम खां का बड़ा दावा

रामपुर
रामपुर में जेल से रिहाई के बाद सपा नेता आजम खां गुरुवार को मीडिया के सामने आए। उन्होंने ईडी के वारंट और अंगूठे के निशान को लेकर सवाल उठाए। इस दौरान भावुक अंदाज में कहा कि उन्होंने बहुत दुख सहे हैं और उन पर बहुत जुल्म हुए हैं।

सपा नेता आजम खां ने दावा किया कि उन्हें गिरफ्तार करने के लिए ईडी के पास वारंट ही नहीं था। उन्होंने अंगूठे के निशान को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि इस मामले में अलग से हाईकोर्ट में रिट दाखिल करेंगे। उनका आरोप है कि इस संबंध में झूठा हलफनामा दिया गया है।

मनी लांड्रिंग मामले में जेल से रिहा हुए सपा नेता आजम खां ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अंगूठे का जो निशान दिखाया जा रहा है, वह दिल्ली में की गई पूछताछ के दौरान



का है, रामपुर जेल का नहीं।

अंगूठा लगाने के मामले को लेकर वह अलग से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि कानूनी लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। इस दौरान आजम खां ने अपने ऊपर बीते समय में हुई कार्रवाई और मुश्किलों का जिक्र करते हुए भावुक अंदाज में कहा कि उन्होंने बहुत दुख सहे हैं और उन पर बहुत जुल्म हुए हैं।

जेल जाने के बाद 28 किलो घट गया वजन

रामपुर। आजम खां ने जेल में रहने के दौरान अपने स्वास्थ्य पर पड़े असर का जिक्र करते हुए कहा कि जब उन्होंने सरेंडर किया था, तब उनका वजन 98 किलो था। अब घटकर 70 किलो रह गया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ चोरी, बेईमानी और कमीशन लेने का आरोप नहीं लगा। इसके बावजूद उन्हें जिन मुकदमों और परिस्थितियों से गुजरना पड़ा, वह उनके लिए बेहद पीड़ादायक रहा।

मुकदमा वापस लेकर आरडीए को देंगे विश्वविद्यालय गिराने का न्योता

आजम खां ने जौहर विश्वविद्यालय को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह अपना मुकदमा वापस लेने के बारे में सोच रहे हैं। इसके बाद ऐलान करेंगे कि बुलडोजर लाइये और विश्वविद्यालय की जितनी इमारतें हैं, उन्हें तोड़ दीजिए। उन्होंने कहा कि दुनिया देखे कि शिक्षा का मंदिर अगर कोई मुसलमान बनाता है तो उसे किस तरह गिराया जाता है। आजम खां ने कहा कि मुकदमा वापस लेने के बाद रामपुर विकास प्राधिकरण को निमंत्रण देंगे कि वह आए और विश्वविद्यालय को गिराए।

आजम खां ने ईडी की कार्रवाई के दौरान अपने साथ हुए व्यवहार पर सवाल उठाए। आरोप लगाया कि ईडी के साथ आई मुरादाबाद पुलिस ने उन्हें चोट पहुंचाई। उन्होंने इसे अमानवीय व्यवहार बताते हुए मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

आजम खां ने कहा कि जब ईडी उन्हें लेने पहुंची थी, तब उसके पास कोई वारंट नहीं था। इस बात को अदालत ने भी पकड़ा है। उन्होंने जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह किसी भी लिहाज से उचित नहीं था।

जाति और धर्म के नाम पर नहीं चुनाव

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आजम खां ने कहा कि अभी चुनाव में काफी वक्त है, लेकिन आने वाला कोई भी चुनाव जाति और धर्म के नाम पर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब लोग समझ चुके हैं कि धर्म को धर्म वाले और मजहब को मजहब वाले ही नुकसान पहुंचा रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश तक फैला है नकली दवाओं का जाल, वाराणसी में दबोचा गया अभिषेक सिंह



वाराणसी।
जिले में नकली दवाओं की बरामदगी से शुरू हुई जांच अब हिमांचल तक जा पहुंची है।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और एसटीएफ की जांच में तस्करों का जाल वाराणसी, सहारनपुर समेत हिमाचल प्रदेश के सोलन तक फैलने के सुबूत मिले हैं।

वहीं, दो नवंबर को वाराणसी के रोहनिया में दर्ज मुकदमें में एसटीएफ और रोहनिया पुलिस ने तस्करी के आरोपित सोनभद्र जिले के अनपरा अंतर्गत नई बस्ती निवासी अभिषेक सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर उसे गुरुवार को जेल भेज दिया। अभिषेक से पूछताछ मे मिले सुराग के आधार पर प्रदेश भर में नकली दवाओं के अवैध निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय और परिवहन की निगरानी शुरू हो गई है। दवा तस्करों के बातचीत में प्रतिबंधित जांगी एप के उपयोग की बात सामने आई है।

30 अक्टूबर को पहली छापेमारी

30 अक्टूबर 2026 को वाराणसी के औषधि निरीक्षक जुनाब अली, चन्द्रेश द्विवेदी जौनपुर व भदोही के औषधि निरीक्षकों की टीम ने थाना जंसा पुलिस के सहयोग से ग्राम कुरौना-सरौनी स्थित मेसर्स एसपी मेडिकल हाल पर छापा मारा। दुकान का संचालन सुनील कुमार पटेल कर रहा था। मौके पर वैध औषधि अनुज्ञप्ति या क्रय-विक्रय के अभिलेख नहीं मिल सके।

वहां से जो दवाएं मिली, उसकी कंपनी के प्रतिनिधिक ने नकली बताया था। इसके अलावा मोंटेयर-एलसी, जेरोडोल-एसपी, पैन-40, ओ2, डेफ्लाजाकोर्ट, क्लावम-625, टैक्सिम-ओ, रैबेप्राजोल, फ्रोजन-एए, स्केलकल-500, सी-एजेड, एमक्लैव-625, गुटडेफ प्लस और सुपरस्पाज जैसी कई संदिग्ध दवाएं मिलीं, जिन्हें नकली होने की आशंका में सीज कर छह नमूने जांच के लिए भेजे गए थे।

सप्लाई चेन का खुलासा

कुरैना में दवा दुकान पर मिले सुनील पटेल ने बताया कि उसके पास से मिली दवाएं मेसर्स सुपर ड्रग एजेंसी लहरतारा में काम करने वाले अशोक कुमार वर्मा से मिली थीं।

खेलों से होता है शारीरिक और मानसिक विकास, हार-जीत खेल का हिस्सा : प्रो. संगीता श्रीवास्तव

प्रयागराज।
स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनसे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ टीम भावना भी विकसित होती है। हार और जीत खेल का हिस्सा हैं, इसलिए खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। यह बातें गुरुवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने वार्षिक खेल स्पर्धा के तीसरे दिन आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कहीं। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

कुलपति ने खेल निदेशक डॉ. राजेश



शर्मा और सह खेल निदेशक डॉ. सर्वश्रेष्ठ धामी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित योग कक्षाओं का सकारात्मक परिणाम विद्यार्थियों के योग पिरामिड प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है। समारोह में कुलसचिव प्रो. आशीष खरे, कला संकाय के डीन प्रो. अरुण जेटली और विज्ञान संकाय के डीन प्रो. एसआई रिजवी ने भी खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र दिए। इससे पूर्व सह खेल निदेशक डॉ. सर्वश्रेष्ठ धामी ने स्पोर्ट्स बोर्ड की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय ने एसजीपीजीआई लखनऊ के साथ समझौता किया है। इसके तहत इविवि के खिलाड़ियों को पीजीआई में उपचार के दौरान प्राथमिकता मिलेगी और पहले दिन का पूरा खर्च संस्थान वहन करेगा। उन्होंने बताया कि अंतर-सदनीय प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तीन सदनों में बांटा गया है। विज्ञान संकाय को रेड, कला संकाय को ब्लू तथा वाणिज्य एवं विधि संकाय को येलो हाउस में रखा गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित कुमार सिंह ने किया। इस दौरान शिक्षक, कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

जौनपुर में 22 नवंबर को होगा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल, हवाई हमले से लेकर राहत-बचाव तक का होगा अभ्यास

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए 22 नवंबर को पुलिस लाइन में वृहद ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। शाम छह बजे से होने वाले इस अभ्यास में हवाई हमले की चेतावनी, बिजली आपूर्ति बंद करने, ड्रोन को निष्क्रिय करने और राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी हिस्सा लेंगी।



मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने संबंधित विभागों को कानून-व्यवस्था, यातायात, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं, अग्निशमन और सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना है।

नगर मजिस्ट्रेट एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा महीपाल सिंह ने बताया कि 22 नवंबर को शाम छह बजे सामान्य जनजीवन के प्रदर्शन के साथ अभ्यास शुरू होगा। शाम 6:05 बजे हवाई हमले की चेतावनी के रूप में दो मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में सायरन बजाया जाएगा। इसके साथ पुलिस लाइन और आसपास के निर्धारित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर ब्लैक आउट की स्थिति बनाई जाएगी। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक लोगों को सुरक्षित स्थानों और बंकरों तक पहुंचाने का अभ्यास करेंगे।

इसके बाद ड्रोन को निष्क्रिय करने की कार्रवाई का प्रदर्शन होगा। शाम 6:10 बजे हवाई हमले की समाप्ति का संकेत देने के लिए एक ही सुर में दो मिनट तक सायरन बजाया जाएगा।

भारतीय सेना द्वारा प्रायोजित 'वन्दे मातरम् 150 नेशनल यूनिटी फ्लाइट' कार्यक्रम

मुरादाबाद।
एनसीसी ग्रुप मुख्यालय बरेली एवं जिला प्रशासन मुरादाबाद के तत्वाधान में भारतीय सेना द्वारा प्रायोजित वन्दे मातरम् 150 नेशनल यूनिटी फ्लाइटह्ल कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को मुरादाबाद हवाई अड्डे पर किया गया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुरादाबाद हवाई अड्डे पर भारतीय सेना के तीन माइक्रोलाइट हवाई जहाजों के आगमन के साथ हुआ। इस दौरान विमानों के पायलटों द्वारा एनसीसी कैडेट्स को हवाई जहाजों की संरचना, कार्यप्रणाली एवं उड़ान भरने की तकनीकी बारीकियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही कैडेट्स को माइक्रोलाइट फ्लाइंग का अनुभव भी कराया गया। कार्यक्रम का समापन सभी हवाई जहाजों के प्रस्थान के साथ हुआ।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं एनसीसी कैडेट्स में राष्ट्रीय एकता की भावना, साहसिक गतिविधियों के प्रति रुचि तथा सशस्त्र बलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम के दौरान 9 यूपी बालिका वाहिनी एनसीसी के कमान अधिकारी अरविन्द कुमार, डिप्टी कमान अधिकारी प्रमिला सिंह तथा अपर जिलाधिकारी (नगर) अंकुर श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

ढाई साल की मासूम बच्ची से हैवानियत, कानपुर रेफर

मां की तहरीर पर नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ कोतवाली क्षेत्र में करीब ढाई वर्षीय मासूम बच्ची के साथ पारिवारिक सदस्य ने दरिंदगी की। घटना में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे इलाज के लिए पहले सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां हालत में सुधार न होने पर उसे कानपुर रेपर किया गया है।

राठ क्षेत्र के सीओ राजीव प्रताप सिंह ने गुरुवार को शाम बताया कि ढाई साल की बच्ची के साथ शर्मनाक घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बच्ची का तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण कराया। चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार और अग्रिम जांच के लिए कानपुर रेफर कर दिया है। बताया कि पीड़ित बच्ची की मां की तहरीर के आधार पर राठ कोतवाली में नामजद आरोपी दीनदयाल पुत्र रामगोपाल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

वाहन दिलाने के नाम पर ठगे 4.68 लाख रुपये, साइबर सेल ने लौटाए

बैंक और मर्चेंट से समन्वय कर पूरी रकम कराई होल्ड, पीड़ित ने पुलिस का जताया आभार

मीरजापुर।
वाहन दिलाने का झांसा देकर इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ठगी गई 4.68 लाख रुपये की पूरी धनराशि साइबर सेल ने पीड़ित के खाते में वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने गुरुवार को कोतवाली कटरा पहुंचकर पुलिस टीम का आभार जताया।

बथुआ रीवा रोड निवासी अरविन्द कुमार सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह ने कोतवाली कटरा की साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वाहन दिलाने के नाम पर उनके बैंक खाते से इंटरनेट बैंकिंग के जरिए 4.68 लाख रुपये का लेनदेन कर ठगी की गई है। पुलिस ने शिकायत को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में साइबर सेल ने बैंक और मर्चेंट से समन्वय स्थापित कर ठगी की रकम होल्ड कराई। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई।

कोतवाली कटरा के निरीक्षक नीरज कुमार पाठक और साइबर सेल के आरक्षी इरफान अंसारी ने कार्रवाई में भूमिका निभाई।

रामजन्मभूमि : जय श्रीराम के गगननाद से गूँज रहा मंदिर

अयोध्या।
प्रभु श्रीराम की इस पवित्र भूमि पर होने वाली 14 कोसी परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, साधना और आत्मानुभूति का एक अलौकिक अनुभव है। इस लंबी पदयात्रा में सरयू के तटों से लेकर धर्मनगरी के प्राचीन कुंजों, मंदिरों और गुप्तार घाट की पावन धाराओं के बीच से गुजरने का सौभाग्य मिलता है।

परिक्रमा आज समाप्त हो गई लेकिन उसकी अनुगूंज सुनाई दे रही है।

शाहजहांपुर में 6.49 लाख रुपये की कथित लूट का छह घंटे में खुलासा

शाहजहांपुर।
उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में 6 लाख 49 हजार रुपये की कथित लूट की घटना का पुलिस ने छह घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, स्पाइस मनी कंपनी के कलेक्शन एजेंट ने कंपनी की धनराशि हड़पने के उद्देश्य से लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अधीक्षक नगर देवेंद्र कुमार ने बताया कि, गुरुवार सुबह करीब ग्यारह बजे स्पाइस मनी कंपनी के कलेक्शन एजेंट अयाज मोहम्मद खान (42), निवासी मोहल्ला महमद हद्दफ, थाना सदर बाजार ने



डायल-112 पर सूचना दी कि वह कंपनी के 6 लाख 49 हजार रुपये बैंक में जमा करने जा रहा था। इसी दौरान नगर पालिका ककरा खुर्द के पास मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उससे रकम लूट ली।

सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई टीमें गठित कीं। घटनास्थल और आसपास के मार्गों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। एसओजी, सर्विलांस और साइबर सेल की टीमों ने मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच की। जांच के दौरान एजेंट की गतिविधियां संदिग्ध मिलने पर उससे गहन पूछताछ की गई।

जांच में सामने आया कि एजेंट को कंपनी ने 10 लाख रुपये की ओवरड्राफ्ट लिमिट दी थी, जिसे कम कारोबार के कारण घटाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया था। एजेंट को कारोबार में करीब पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ था और कंपनी की धनराशि जमा करने का दबाव बनाया जा रहा था। इसी के चलते उसने कथित लूट की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार, एजेंट घर से निकलने के बाद बैंक जाने के बजाय कोतवाली क्षेत्र में अंकित की दुकान पर पहुंचा। इसके बाद ककरा पुल के पास उसने अपना बैग झाड़ियों में फेंक दिया। बैग में नकदी के स्थान पर कागज के टुकड़े रखे थे। बाद में वह एक ऐसी जगह पहुंचा, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे और लूट होने का शोर मचाने लगा। इसके बाद उसने डायल-112 पर सूचना दी।

एसपी सिटी ने बताया कि, पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने लूट की झूठी कहानी रचने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने झाड़ियों से पिट्ठू बैग बरामद किया, जिसमें कोरे कागज, पैड, पेन, बैंक बाउचर और रबर मिले। एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

मुख्यमंत्री ग्रिड योजना का काम समय पर पूरा नहीं हुआ तो लगेगा एक लाख रुपये प्रतिदिन जुमार्ना : नगर आयुक्त

कानपुर।
मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के कार्यों में लापरवाही और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यदायी संस्था एक सप्ताह के भीतर दोनों मशीनों से सड़क के दोनों ओर समानांतर काम शुरू कराएं, अन्यथा प्रतिदिन एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। यह बातें देर रात चिड़ियाघर के पास मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत हो रहे निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण करने पहुंचे नगर आयुक्त अरपित उपाध्याय ने कही।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने



निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत कुल 5400 मीटर फुटपाथ का निर्माण होना है। इसके सापेक्ष अभी एक ओर करीब 1750 मीटर सड़क निर्माण और 2000 मीटर क्षेत्र में यूटिलिटी संबंधी काम पूरा हुआ है। उन्होंने मुख्य अभियंता को संबंधित कार्यदायी संस्था को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने परियोजना पूरी करने के लिए 20 दिसंबर 2026 की समयसीमा निर्धारित की। उन्होंने निर्देश दिए कि तय समय तक सभी कार्य हर हाल में पूरे किए जाएं। निर्माण की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी की जाए। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री ग्रिड योजना शासन की प्राथमिकता वाली परियोजना है। इसकी प्रगति की निगरानी के लिए रात्रिकालीन भ्रमण और औचक निरीक्षण जारी रहेंगे।

घर में घुसकर बालिका से दुष्कर्म करने वाले दोषी को 20 साल की कैद

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में घर में घुसकर 11 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने गुरुवार को दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उस पर 14 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सिसोलर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी मान सिंह पुत्र भूरा यादव के खिलाफ 26 जुलाई 2022 को मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि उसने वादिनी के घर में घुसकर उसकी करीब 11 वर्षीय पुत्री के साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मामले को चिह्नित कर अभियोजन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए गवाहों की समयबद्ध गवाही कराई और प्रभावी पैरवी की। इसके फलस्वरूप 19 नवंबर 2026 को विशेष पॉक्सो न्यायालय ने अभियुक्त मान सिंह को धारा 452, 506 आईपीसी और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 में दोषसिद्ध कर 20 वर्ष के कठोर कारावास और 14 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

साइबर अपराधियों ने तीन लोगों को बनाया शिकार, करीब 41 लाख रुपये की ठगी

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में साइबर अपराधियों ने विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों को अपना शिकार बनाया। बदमाशों ने इन्वेस्ट कर मोटी रकम कमाने की लालच देकर, डीमैट खाथा खुलवाने के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसाया।

पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि बीती रात रमेश चंद सोनी ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्रेटर

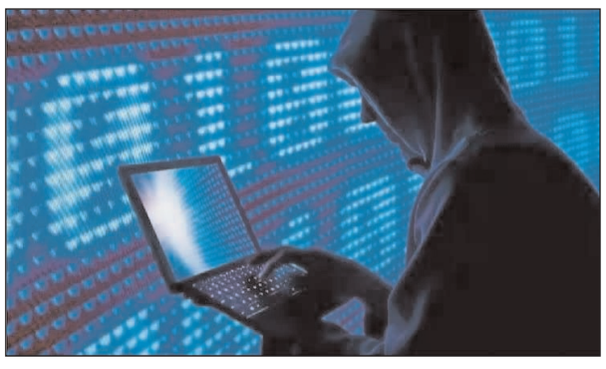

नोएडा वेस्ट में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार व्हाट्सएप ऐप के माध्यम से कुछ लोगों ने उनसे संपर्क किया तथा कहा कि शेयर मार्केट में निवेश करने से उन्हें काफी मुनाफा होगा। पीड़ित के अनुसार वह उनकी बातों में आ गए तथा धीरे-धीरे करके उन्होंने उनके बताए हुए विभिन्न खातों में 17 लाख 39 हजार 843 रुपए ट्रांसफर कर दिया। पीड़ित के अनुसार उनकी रकम ऐप पर बढ़ी हुई दिखाई दे रही थी। जब उन्होंने अपना पैसा निकालने का प्रयास किया तो साइबर अपराधियों ने उनको ग्रुप से बाहर निकाल दिया। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीसीपी ने बताया कि अजय कुमार सिंह पुत्र गोरखनाथ सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह छलेरा गांव में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनसे संपर्क किया तथा टेलीग्राम के माध्यम से इन्वेस्टमेंट करने की सलाह दी। पीड़ित के अनुसार वह उनकी बातों में आ गए तथा उन्होंने नौ लाख 51 हजार 473 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया। पीड़ित के अनुसार आरोपितों ने धोखाधड़ी कर उनकी रकम हड़प ली। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।



डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान



की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।



'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ



काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।



जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



एक थप्पड़ से बेनकाब हुई आजाद समाज पार्टी की अंदरूनी खींचतान, समीक्षा बैठक में भिड़े जिला और मंडल पदाधिकारी

- नौकरी के नाम पर रुपये लेने के आरोप को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंचा
- अधिवक्ता ने किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष को जड़ा थप्पड़
- थाने से लेकर न्यायालय तक पहुंचा मामला

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



फर्रुखाबाद में आजाद समाज पार्टी की संगठनात्मक बैठक उस समय विवाद का केंद्र बन गई, जब आगामी 26 नवंबर को लखनऊ में प्रस्तावित राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के कार्यक्रम की तैयारियों के बीच पार्टी के दो पदाधिकारी आपस में भिड़ गए। नौकरी लगवाने के नाम पर रुपये लेने के आरोप को लेकर शुरू हुई कहासुनी थप्पड़बाजी तक पहुंच गई। घटना के बाद संगठन के भीतर चल रही आपसी खींचतान और पदाधिकारियों के बीच तालमेल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, मसेनी चौराहे स्थित दीप पैलेस गेस्ट हाउस में पार्टी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में किसान मोर्चा सहित विभिन्न फ्रंटल संगठनों और मंडल स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए थे। बैठक का उद्देश्य लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करना और कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना था।

इसी दौरान किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष नितिन गौतम और कानपुर मंडल के पदाधिकारी एवं अधिवक्ता पंकज कुमार के बीच विवाद शुरू हो गया। पंकज कुमार ने नितिन गौतम पर नौकरी लगवाने के नाम पर रुपये लेने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि इस मामले में नितिन गौतम की मां की भी भूमिका रही है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बताया जाता है कि बैठक में इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच पहले तीखी बहस हुई और फिर गाली-गलौज शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान पंकज कुमार ने नितिन गौतम को थप्पड़ मार दिया। अचानक हुई घटना से बैठक में मौजूद कार्यकर्ता और पदाधिकारी सकते में आ गए। नितिन गौतम की तबीयत बिगड़ने और चक्कर आने की बात भी सामने आई है। उनके पहले से हृदय रोग से पीड़ित होने की जानकारी भी दी गई है।

पंकज कुमार का आरोप है कि नौकरी लगवाने के नाम पर उनसे रुपये लिए गए थे और लंबे समय से इसी मामले को लेकर विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि बैठक में जब इस मुद्दे को उठाया गया तो मामला बढ़ गया। दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम में दोनों पक्षों के आरोपों और दावों की जांच होना जरूरी है। रुपये के लेनदेन और कथित भूमिका से जुड़े तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है।

घटना के बाद नितिन गौतम की ओर से पुलिस को सूचना दिए जाने की बात सामने आई है। वहीं पंकज कुमार ने भी अपने पक्ष को लेकर प्रदेश नेतृत्व के समक्ष शिकायत करने तथा जिला न्यायालय और उच्च न्यायालय तक मामला पहुंचाने की बात कही है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोपों और शिकायतों के आधार पर मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का 26 नवंबर को लखनऊ में प्रस्तावित कार्यक्रम पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे समय में फर्रुखाबाद की समीक्षा बैठक में हुआ विवाद संगठनात्मक एकजुटता को लेकर चर्चा का विषय बन गया है।

जिस बैठक में कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और बड़े कार्यक्रम की रणनीति तैयार करने की योजना थी, वहीं पदाधिकारियों के बीच विवाद सामने आ गया। अब सवाल यह है कि प्रदेश नेतृत्व इस मामले को किस तरह संभालता है और दोनों पक्षों के बीच चल रही तनातनी को समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाता है।

फिलहाल नौकरी के नाम पर रुपये लेने के आरोप, बैठक में हुई मारपीट और उसके बाद शुरू हुई कानूनी कार्रवाई को लेकर फर्रुखाबाद की राजनीतिक गतिविधियों में इस प्रकरण की चर्चा है। 26 नवंबर के कार्यक्रम से पहले पार्टी नेतृत्व के सामने संगठनात्मक विवाद को सुलझाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

उधारी के रूपये मांगने पर युवक से मारपीट, दी जान से मारने की धमकी, शिकायत

यूथ इंडिया, शमसाबाद

उधार दिए गए रुपये वापस मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि रुपये का तकादा करने पर आरोपियों ने पहले गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर पीड़ित को मारपीट कर घायल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना से परेशान पीड़ित ने पुलिस चौकी फैजबाग पहुंचकर अपने भाई समेत अन्य लोगों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, शमशाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अद्दूपुर दया माफी निवासी सुरेन्द्र सिंह पुत्र चैन सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसने अपने भाई अवधपाल पुत्र चैन सिंह को एक लाख पचास हजार रुपये उधार दिए थे। इस रुपये के लेनदेन को लेकर 14 अक्टूबर को गांव के लोगों की मौजूदगी में समझौता भी हुआ था। इसके बावजूद उधारी की रकम वापस नहीं की गई।

पीड़ित का आरोप है कि जब उसने अपने रुपये वापस मांगे और उधारी का तकादा किया तो आरोपियों ने उसके साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। सुरेन्द्र सिंह ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से पीड़ित घबरा गया। आरोप है कि मारपीट करने के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस चौकी फैजबाग पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। तहरीर में उसने अवधपाल, अशोक कुमार पुत्र चैन सिंह, अशोक, शांति और कुसुम सहित अन्य लोगों पर गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा न्याय दिलाने की मांग की है। वहीं, पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर की जाली तोड़कर घरेलू सामान चोरी

फर्रुखाबाद। अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए जाली तोड़कर घरेलू सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी होने पर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस के अनुसार, अज्ञात अभियुक्तों द्वारा वादिनी के घर की जाली तोड़कर घरेलू सामान चोरी कर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में दो लोगों के खिलाफ केस

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के ग्राम ज्यौना निवासी करन पुत्र स्वर्गीय विजेंद्र सिंह समेत दो लोगों के खिलाफ युवती को बहला-फुसलाकर शादी के इरादे से ले जाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, वादी ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि अभियुक्त करन उसकी भतीजी को बहला-फुसलाकर शादी के इरादे से अपने साथ ले गया। वहीं, अभियुक्त शैलेश पर वादी की पुत्री को भगाने में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है।

बाइकों की भिड़ंत में दो युवक घायल, हालत नाजुक

फर्रुखाबाद। जिले में दो बाइकों की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को बाइक ने मारी टक्कर, लिफ्ट लेकर बैठा युवक भी चोटिल

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

नवाबगंज कस्बे में गुरुवार को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग समेत दो लोग घायल हो गए। हादसा नेहरू कॉलेज के पास उस समय हुआ, जब एक बुजुर्ग सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बुजुर्ग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। वहीं बाइक पर लिफ्ट लेकर बैठा एक अन्य युवक भी हादसे में चोटिल हो गया। घटना के बाद बाइक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को नवाबगंज के नेहरू कॉलेज के पास सड़क पर सामान्य आवागमन हो रहा था। इसी दौरान एक बुजुर्ग सड़क पार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार से आ रही बाइक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। अचानक हुई टक्कर के कारण बुजुर्ग सड़क पर गिर पड़े। बाइक पर पीछे बैठा युवक भी संतुलन बिगड़ने से घायल हो गया।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और दोनों घायलों की मदद करने में जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक चालक दुर्घटना के बाद बाइक मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। उसकी इस हरकत से घटनास्थल पर मौजूद लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली।

स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और घटना की जानकारी संबंधित लोगों को दी। हादसे में बुजुर्ग और बाइक पर सवार युवक को चोटें आई हैं। दोनों के घायल होने से मौके पर कुछ देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। घटना के बाद मौके पर छोड़ी गई बाइक भी चर्चा का विषय बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार से वाहन चलाने के कारण आए दिन सड़क हादसों का खतरा बना रहता है।

हांडी पनीर की शिकायत पर राजभोग होटल में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, पनीर का नमूना जांच को भेजा

यूथ इंडिया, कायमगंज/फर्रुखाबाद



खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर मिल रही शिकायतों के बाद गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने फैजबाग-शमसाबाद मार्ग स्थित राजभोग होटल एंड रेस्टोरेंट पर जांच अभियान चलाया। टीम ने होटल की रसोई में पहुंचकर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता परखी और हांडी पनीर का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग के फूड इंस्पेक्टर जावेद अख्तर ने बताया कि होटल में तैयार होने वाले हांडी पनीर की गुणवत्ता को लेकर विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए टीम ने रेस्टोरेंट पहुंचकर जांच की। इस दौरान रसोई और भोजन तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री का भी निरीक्षण किया गया।

टीम ने हांडी पनीर का नमूना लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई की जानकारी फैलते ही फैजबाग मार्ग और आसपास के कई दुकानदारों में खलबली मच गई। कार्रवाई की आशंका के चलते कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के शटर गिराकर वहां से चले गए।

फूड इंस्पेक्टर जावेद अख्तर ने स्पष्ट कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए विभाग की जांच और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

फतेहगढ़ में धूमधाम से निकली तुलसी-शालिग्राम विवाह की बारात

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



फतेहगढ़ में शुक्रवार तड़के तुलसी-शालिग्राम विवाह के अवसर पर भव्य बारात और शोभायात्रा निकाली गई। करीब 50 वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। सुबह तीन बजे एलआईसी तिराहा स्थित शिव मंदिर से शुरू हुई बारात नगर भ्रमण करते हुए गंगा तट स्थित बरगदिया घाट पहुंची।

शोभायात्रा में भगवान गणेश, रिद्धि-सिद्धि, गंगा मैया, भगवान श्रीकृष्ण, खाटू श्याम, तुलसी महारानी और भगवान शालिग्राम की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। डीजे की धुन और भक्ति गीतों पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़े। नगर में जगह-जगह लोगों ने झांकियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं दुकानदारों ने बारातियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की।

करीब डेढ़ किलोमीटर की यात्रा पूरी करने के बाद बरगदिया घाट पर वैदिक रीति-रिवाज के साथ तुलसी महारानी और भगवान शालिग्राम का विवाह संपन्न कराया गया। समिति अध्यक्ष एवं सभासद अनिल तिवारी ने पत्नी के साथ विवाह की रस्में निभाई। इस दौरान तुलसी महारानी और भगवान शालिग्राम के स्वरूपों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। महिलाओं ने मंगल गीत गाकर विवाह की खुशियां मनाई।

विवाह समारोह के दौरान घाट पर भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी से माहौल भक्तिमय बना रहा। आयोजन में गौरव सक्सेना, हर्षित मिश्रा, मोनू, गोलू और दिव्यांशु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ढाई घाट पर कार्तिक मेले की रौनक, 24 नवंबर को होगा गंगा स्नान

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



शमशाबाद क्षेत्र के ढाई घाट पर कार्तिक मेला शुरू हो गया है। मेले में दुकानदारों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। जगह-जगह दुकानें सजने लगी हैं, वहीं श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए ऊंचे झूले, नाव वाले झूले सहित कई प्रकार के झूले लगाए गए हैं। मेला 27 नवंबर तक चलेगा।

कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान 24 नवंबर को होगा। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंगा में बैरिकेडिंग कराई गई है, ताकि कोई भी गहरे पानी में न जा सके। मेले में बिजली की व्यवस्था के साथ प्रशासनिक कैंप भी स्थापित किए गए हैं।

23 नवंबर की शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो जाएगा। लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली, चार पहिया और दोपहिया वाहनों से गंगा स्नान के लिए पहुंचेंगे। बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बदायूं, एटा और मैनपुरी समेत कई जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं।

मेले की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी फर्रुखाबाद और शाहजहांपुर प्रशासन संभाल रहा है। ढाई घाट के उत्तरी तट पर फर्रुखाबाद जिला पंचायत और दक्षिणी तट पर शाहजहांपुर जिला पंचायत की ओर से व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

ढाई घाट का पशु मेला भी विशेष आकर्षण रहता है। यहां राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से व्यापारी पशुओं को लेकर पहुंचते हैं। तीन दिन तक चलने वाले इस पशु मेले में बड़ी संख्या में पशुओं की खरीद-फरोख्त होती है। इसे आसपास के जिलों के प्रमुख पशु मेलों में गिना जाता है।

देवोत्थानी एकादशी पर बाजार में गन्ने की बढ़ी मांग, 20 रुपये नग बिक रहा

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

देवोत्थानी एकादशी के अवसर पर शुक्रवार को शहर के बाजारों में पूजन सामग्री और मौसमी फलों की खरीदारी को लेकर रौनक दिखाई दी। भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही लोग गन्ना, सिंघाड़ा और शकरकंद खरीदने बाजार पहुंचे। इस दौरान गन्ने की मांग अधिक रही।

बाजार में गन्ना 20 रुपये प्रति नग बिक रहा है, जबकि पांच गन्नों का सेट 100 रुपये में उपलब्ध है। वहीं सिंघाड़ा और शकरकंद के भाव 50 रुपये प्रति किलो रहे। फतेहगढ़-फर्रुखाबाद मार्ग पर कई स्थानों पर दूर-दराज से किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में गन्ना लेकर बिक्री के लिए पहुंचे।





धार्मिक मान्यता के अनुसार देवोत्थानी एकादशी पर भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं। आषाढ़ मास की देवशयनी एकादशी से शुरू हुआ चातुर्मास इसी दिन समाप्त होता है। इसके साथ ही विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त होता है।

इस अवसर पर श्रद्धालु शंख और घंटियां बजाकर भगवान विष्णु को जगाते हैं तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। पूजा में गन्ना, सिंघाड़ा और शकरकंद का विशेष महत्व माना जाता है। इसी के चलते बाजारों में इनकी खरीदारी को लेकर सुबह से ही लोगों की आवाजाही बनी रही।

संपत्ति और सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहीं अभिनेत्री प्रतिष्ठा सिंह, चाचा पर लगाए आरोप

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



स्वर्गीय पूर्व ग्राम प्रधान की इकलौती बेटी अभिनेत्री एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रतिष्ठा सिंह ने अपने सगे चाचा शिव सिंह पर संपत्ति कब्जाने की कोशिश, डराने-धमकाने और मकानों के ताले तोड़ने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मां सुधा सिंह के साथ प्रशासन से न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

प्रतिष्ठा सिंह के मुताबिक, पिता के निधन के बाद उनकी और मां की संपत्ति पर अधिकार को लेकर विवाद शुरू हो गया। उनका आरोप है कि चाचा ने उनकी गैरमौजूदगी में मकानों पर कब्जे की कोशिश की और खेतों में उनकी अनुमति के बिना गेहूं की बुवाई कराई। दुकानों में संचालित कैंटीन खाली नहीं किए जाने की बात भी उन्होंने कही।

उन्होंने आरोप लगाया कि 19 नवंबर को फर्रुखाबाद स्थित मकान पहुंचने के बाद उनके घर के बाहरी और कमरों के ताले तोड़ दिए गए। वहां रखे नकदी, सोने और अन्य कीमती सामान के गायब होने की आशंका जताते हुए उन्होंने जांच और बरामदगी की मांग की है।

प्रतिष्ठा सिंह ने प्रशासन से संपत्ति विवाद की निष्पक्ष जांच, कथित रूप से गायब सामान की बरामदगी और मां-बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि वह सांसद मुकेश राजपूत से भी मिलकर अपनी समस्या रख चुकी हैं।

युवक की पत्नी घर से लापता, काफी तलाश के बाद भी नहीं लगा सुराग

यूथ इंडिया, नवाबगंज

नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक की पत्नी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। युवक किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान दोपहर में उसकी पत्नी बिना किसी को बताए घर से चली गई। काफी देर तक पत्नी के वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद युवक और उसके परिवार के लोगों ने आसपास के गांवों तथा रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

जानकारी के अनुसार, युवक किसी जरूरी काम से घर से बाहर गया था। इसी दौरान उसकी पत्नी घर से कहीं चली गई। जब युवक वापस लौटा तो पत्नी घर पर नहीं मिली। शुरुआत में उसने आसपास के लोगों और परिचितों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब पत्नी का कोई पता नहीं चला तो परिवार के लोग परेशान हो गए।

इसके बाद युवक ने परिजनों के साथ मिलकर आसपास के गांवों और रिश्तेदारों के यहां पत्नी की तलाश की। संभावित स्थानों पर खोजबीन करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। लगातार तलाश के बाद भी पत्नी की जानकारी न मिलने पर युवक गुरुवार को नवाबगंज थाने पहुंचा और पुलिस को शिकायती पत्र देकर पत्नी के लापता होने की जानकारी दी।

युवक ने पुलिस से पत्नी को जल्द तलाशने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

रेलवे पोस्ट ऑफिस बंद होने से जनता की बढ़ीं मुश्किलें, देर रात तक मिलने वाली रजिस्ट्री सुविधा हुई बंद

- कानपुर से अटैच किया गया कार्यालय

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

रेलवे विभाग में संचालित पोस्ट ऑफिस बंद हो जाने से आम जनमानस को तमाम समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उन लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरी दस्तावेजों को डाक के माध्यम से रजिस्ट्री कराकर भेजना होता है। रेलवे पोस्ट ऑफिस की सुविधा बंद होने के बाद अब लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए लाल गेट स्थित पोस्ट ऑफिस अथवा फतेहगढ़ स्थित डाकघर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे लोगों का समय बर्बाद होने के साथ ही जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं।

बताते चलें कि रेलवे परिसर में संचालित पोस्ट ऑफिस में पहले देर रात तक रजिस्ट्री कराने की सुविधा उपलब्ध रहती थी। इसके चलते ऐसे लोगों को काफी राहत मिलती थी, जिन्हें किसी विभाग, न्यायालय या अन्य कार्यालय में निर्धारित समय सीमा के भीतर जरूरी कागजात भेजने होते थे। लोग देर रात तक रेलवे पोस्ट ऑफिस पहुंचकर अपनी रजिस्ट्री करा लेते थे और उन्हें अगले दिन डाकघर खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ता था। लेकिन अब यह सुविधा बंद होने से लोगों के सामने नई समस्या खड़ी हो गई है।

स्थिति यह है कि जरूरी दस्तावेज लेकर पहुंचने वाले लोगों को अब सुबह होने और दूसरे पोस्ट ऑफिस खुलने का इंतजार करना पड़ता है। वहीं, तत्काल रजिस्ट्री की आवश्यकता पड़ने पर लोगों को लाल गेट या फतेहगढ़ स्थित पोस्ट ऑफिस तक जाना पड़ता है। इससे खासकर उन लोगों को परेशानी हो रही है, जिन्हें समय सीमा के भीतर अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज भेजने होते हैं।

इस संबंध में रेलवे पोस्ट ऑफिस विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि रेलवे पोस्ट ऑफिस को कानपुर से अटैच कर दिया गया है। इसी व्यवस्था के चलते स्थानीय स्तर पर पहले की तरह पोस्ट ऑफिस की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। हालांकि, इस बदलाव से आम जनता को होने वाली परेशानियों को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे पोस्ट ऑफिस की देर रात तक मिलने वाली रजिस्ट्री सुविधा उनके लिए काफी उपयोगी थी। इसके बंद होने से आपातकालीन जरूरतों के समय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों ने संबंधित रेलवे एवं डाक विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि रेलवे पोस्ट ऑफिस की सुविधा दोबारा शुरू कराई जाए अथवा देर रात तक रजिस्ट्री की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके।

एक ही मंडप में 419 जोड़ों की शादी, चार दिन में तैयार हुआ भव्य पंडाल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में शुक्रवार को सामूहिक विवाह योजना के तहत एक भव्य विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। क्रिश्चियन इंटर कॉलेज के मैदान में एक साथ 419 जोड़ों की शादी कराई जा रही है। इस विशाल आयोजन को लेकर प्रशासन और आयोजन से जुड़े लोगों ने व्यापक तैयारियां की हैं।

जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह के लिए कॉलेज के मैदान में विशाल पंडाल तैयार किया गया है। चार दिनों की लगातार मेहनत के बाद विवाह स्थल को सजाया गया। यहां 419 जोड़ों के विवाह के लिए अलग-अलग मंडप बनाए गए हैं। पूरे परिसर को विवाह समारोह के अनुरूप आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

शुक्रवार सुबह से ही दूल्हा-दुल्हन अपने परिवार के सदस्यों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने लगे थे। सुबह से शुरू हुआ जोड़ों के आने का सिलसिला दोपहर 12 बजे तक जारी रहा। विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे परिवारों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों की शादी में सहायता उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को विवाह के आयोजन में सरकारी सहायता मिलती है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ कम होता है।

एक ही स्थान पर 419 जोड़ों के विवाह की व्यवस्था करना अपने आप में बड़े स्तर का आयोजन है। इसके लिए मंडप, पंडाल और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से तैयार किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिवारों की भागीदारी से विवाह स्थल पर उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

फर्रुखाबाद में आयोजित यह सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक सहयोग और सामूहिक भागीदारी का उदाहरण बनकर सामने आया है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में जोड़ों का विवाह कराकर जरूरतमंद परिवारों को सहायता देने की पहल की जा रही है।